शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 323 | गुवाहाटी | सोमवार, 29 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बाहरी दखल से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में होगी देरी : अराघची पेज 2
पीएम मोदी ने मन की बात में की असम की बेटी डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन की सराहना पेज 3
अखिलेश जी, अयोध्या को रामभक्तों ने संवारा, आप पश्चाताप कर ... पेज 5
महिला टी20 विश्व कप 2028 : भारत समेत आठ टीमों ने सीधे बनाई जगह... पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

गरीब धन की इच्छा करता है, पशु बोलने योग्य होने की, आदमी स्वर्ग की इच्छा करते हैं और धार्मिक लोग मोक्ष की।
- आचार्य चाणक्य

रिकॉर्डतोड़ हीटवेव की चपेट में यूरोप, फ्रांस में गर्मी से 1000 लोगों की मौत

जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन समेत 16 देशों में रिकॉर्डतोड़ तापमान; सड़कें पिघलीं, स्कूल बंद, जंगलों में आग

पेरिस, लंदन, मैड्रिड। यूरोप इन दिनों रिकॉर्डतोड़ हीटवेव की चपेट में है। फ्रांस में भीषण गर्मी से करीब 1,000 अतिरिक्त लोगों की मौत हुई है। हेल्थ एजेंसी ने रविवार को बताया कि ये मौतें 24 जून से 27 जून के बीच हुईं। अतिरिक्त मौतों का मतलब है कि पिछले कुछ साल में हुई औसत मौतों की तुलना में इस बार करीब 1000 लोग ज्यादा मरे हैं। हालांकि सरकार ने न ही पिछली बार और न ही इस बार का कोई सटीक आंकड़ा दिया है। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में 85 प्रतिशत बुजुर्ग हैं। सबसे अधिक मौतें घरों में हुईं। खासकर राजधानी पेरिस और उसके आसपास के इलाकों वाले इलाके में ऐसे मामले ज्यादा सामने आए। वहीं, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन, डेनमार्क, इटली और स्विट्जरलैंड समेत 16 देशों में तापमान ने दशकों पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। खबरों के मुताबिक, रविवार को यूरोप के करीब 19.1 करोड़ लोगों को 35 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान का सामना करना पड़ा। कहीं सड़कें पिघल रही हैं, कहीं स्कूल बंद करने पड़े हैं, तो कहीं जंगलों में भीषण आग भड़क उठी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यूरोप का तापमान दुनिया के औसत तापमान की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। भविष्य में ऐसी गर्मी की लहरें और अधिक बार आएंगी, ज्यादा समय तक रहेंगी।

ब्रिटेन : ब्रिटेन के इतिहास में पहली बार लगातार तीन दिनों तक *रेड वार्निंग* जारी करनी पड़ी है। जून के महीने का 50 साल पुराना पिछला रिकॉर्ड (35.6 सेंटीग्रेड) इस हफ्ते लगातार तीन दिन टूटा है। दक्षिणी इंग्लैंड में तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जो इस जून का नया रिकॉर्ड है। ब्रिटेन के इतिहास का सबसे अधिक तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस है, जो जुलाई 2022 में दर्ज किया गया था। माना जा रहा है कि यह इस साल टूट सकता है। गर्मी के कारण बिजली की मांग 45 साल में सबसे ज्यादा हो गई है। हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और सांस की तकलीफ के मरीजों की संख्या अचानक बहुत बढ़ गई है। इसके कारण कई बड़े अस्पतालों को इमरजेंसी घोषित करना पड़ा है। पूरे ब्रिटेन में 1,000 से अधिक स्कूलों को बंद -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर को लेकर अनर्गल आरोप माहौल खराब करने का प्रयास : विहिप

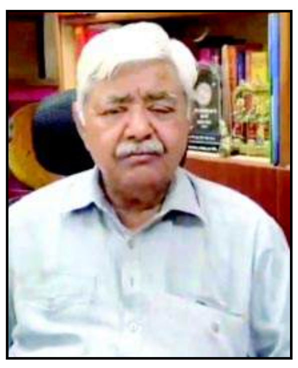

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि राम मंदिर को लेकर लगाए जा रहे अनर्गल आरोप माहौल खराब करने की साजिश है। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर को लेकर जारी राजनीतिक बयानबाजी के बीच विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस के संवाददाता सम्मेलन में लगाए गए *हजारों करोड़ की चोरी* के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्होंने इसे समाज में विद्वेष फैलाने की साजिश बताया। इसके साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के *सियाराम धाम* बनाने वाले चुनावी वादे को भी आड़े हाथों लिया। आलोक कुमार ने कांग्रेस द्वारा राम मंदिर से कीमती सामान और हजारों करोड़ गायब होने के आरोपों पर कड़ा ऐतराज -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में बारिश बनी आफत

• असम में पुल बहा • अरुणाचल में भूस्खलन से हालात बिगड़े • कई इलाकों का संपर्क टूटा

गुवाहाटी/इटानगर। पूर्वोत्तर भारत में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। असम में बाढ़ के तेज बहाव में 300 मीटर लंबा लोहे का पुल बह गया, जिससे कई इलाकों का संपर्क टूट गया। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण भूस्खलन और सड़क धंसने की घटनाओं से राष्ट्रीय राजमार्ग-13 के कई हिस्सों में यातायात बाधित हो गया है। असम के धेमाजी जिले में रविवार को केमी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से केमी और ओयान को जोड़ने वाला करीब 300 मीटर लंबा लोहे का पुल बह गया। पुल के बहने से केमी-पुराना जेलोम क्षेत्र का जोनाई सदर से सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश से भारी मात्रा में पानी आने के बाद नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा और कुछ ही देर में पुल तेज बहाव में समा गया। बताया जा रहा है कि इस पुल का निर्माण करीब एक वर्ष पहले ही किया गया था। पुल टूटने से क्षेत्र के विद्यार्थियों और किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी पार स्थित विद्यालय तक पहुंचने का यही प्रमुख रास्ता था। परीक्षाएं नजदीक होने के कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है। वहीं, खेती के मौसम में किसानों के लिए खेतों तक पहुंचना भी चुनौती बन गया है। स्थानीय लोगों ने यह भी दावा किया कि पुल निर्माण के समय उन्होंने लोहे के बजाय स्थायी कंक्रीट पुल बनाने की मांग की थी। उधर, अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश के चलते पसीघाट-पांगिन मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग-13 के कई हिस्सों में भूस्खलन, चट्टानें गिरने और सड़क धंसने की घटनाएं सामने आई हैं। रेंगिंग और येंबुंग के बीच कई स्थानों पर यातायात प्रभावित हुआ है। अरुणाचल प्रदेश में बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ के बाद तलाशी एवं बचाव अभियान में पापुम पारे जिले में एक और शव मिलने के साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

जल संसाधन विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस के अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ने जल संसाधन विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीआईडी के अनुसार आरोपित फर्जी नियुक्ति पत्र, नकली सरकारी मुहर और जल संसाधन विभाग के नाम पर जाली भर्ती अधिसूचनाएं जारी कर बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी का झांसा देते थे। इसके बदले उनसे हजारों से लेकर लाखों रुपये तक की ठगी की गई। असम पुलिस मुख्यालय की ओर से आज दी गई जानकारी के अनुसार इस मामले में सीआईडी थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धाराओं 61(2), 318(4), 336(3) एवं 340(2) के तहत मामला संख्या 04/25 दर्ज किया गया था। लगातार चलाए गए अभियान के दौरान अब तक कुल सात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। ताजा कार्रवाई में 27 जून को नलबाड़ी जिले से -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा (स्वा.) से जुड़े दो और सहयोगी समेत चार गिरफ्तार

तिनसुकिया (हि.स.)। असम पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम-इंडिपेंडेंट (अल्फा-स्वा.) की एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। तिनसुकिया जिला पुलिस ने रविवार को बताया कि इस मामले में अब तक कुल चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। तिनसुकिया के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मयंक कुमार ने मीडिया को बताया कि 26 जून को केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों के सहयोग से लेखापानी थाना क्षेत्र के जागुन में चलाए गए खुफिया-आधारित अभियान के दौरान अल्फा (स्वा.) के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया गया था। उनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट सियोर आसोम उर्फ हुमेनज्योति बरुवा (27) तथा स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट मनोज आसोम उर्फ पापु मोरान (30) के रूप में हुई है। दोनों वर्ष 2018 में संगठन में शामिल हुए थे और कई आतंकी घटनाओं में संलिप्त रहे हैं। एसपी के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया कि वे तिनसुकिया शहर में नागरिकों को निशाना -शेष पृष्ठ दो पर

मादक पदार्थों की लत राष्ट्र के विकास के लिए गंभीर खतरा : उपराष्ट्रपति

बेंगलुरु (हि.स.)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मादक पदार्थों की लत केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि शिक्षा, उत्पादकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के विकास के लिए भी गंभीर खतरा है। उपराष्ट्रपति रविवार को बेंगलुरु में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के 31वें स्थापना दिवस पर आयोजित *नशा मुक्त भारत* सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, अभिभावकों और नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति समाज में व्यापक जनजागरूकता पैदा करना और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

अमित शाह और नगा विधायकों की बैठक पर विवाद, कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। हाल ही में नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो के नेतृत्व में मणिपुर के नगा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच दिल्ली में एक बैठक हुई थी, जिसमें मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह मौजूद नहीं थे। वहीं इस मुद्दे पर कांग्रेस की मणिपुर इकाई ने सवाल खड़े किए है। पार्टी ने पूछा है कि सीएम इस बैठक का हिस्सा क्यों नहीं थे। मणिपुर कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता के. मेघचंद्र सिंह ने शनिवार को दावा किया कि राज्य के नगा विधायकों की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हाल ही में हुई बैठक ने मणिपुर के मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकार को कमजोर किया है, क्योंकि इसमें नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और अन्य लोग भी मौजूद थे। इंफाल में -शेष पृष्ठ दो पर

13 साल की बच्ची के साथ हैवानियत, 10 गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर से एक इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 13 साल की स्कूली छात्रा के साथ हुई दरिंदगी की घटना ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। 8वीं कक्षा में पढ़ने वाली इस बच्ची को कथित तौर पर चार दिनों तक अलग-अलग होटलों में बंधक बनाकर करीब कई लोगों ने अपनी हैवानियत का शिकार बनाया। इस सनसनीखेज मामले के सामने आने के बाद जनता में भारी आक्रोश है और पुलिस अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में बुनियादी ढांचे के विस्तार के दौरान असम के सीमावर्ती गांवों ने उपेक्षा का आरोप लगाया

पलाशबाड़ी। असम-मेघालय अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में असम सरकार द्वारा लंबे समय से की जा रही उपेक्षा के आरोप एक बार फिर सामने आए हैं, जहां के निवासियों का दावा है कि मेघालय ने बुनियादी ढांचा और आवश्यक सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करके कई सीमावर्ती गांवों में अपनी उपस्थिति को लगातार मजबूत किया है। कामरूप जिले के पलासबारी राजस्व मंडल के अंतर्गत लगभग 16 मुख्य रूप से आदिवासी पहाड़ी गांव, जिनमें गरभंगा, उलुबारी, पाहम जिला, नतुन गरभंगा, रोंगमाली (नुमुलीपाथर), मातंग, जालुक पाहम, कायांग पथार, भालुखोवा, डुमोपाहम, नोंगटारिया, अर्बलांग, देकापत्थर, अमरिंग, चांग्मा नगर और नारलिंग (नोरलोंग) शामिल हैं - रानी से सटे सुदूर सीमा क्षेत्र में स्थित हैं। दशकों तक राज्य की सीमावर्ती बस्तियों के रूप में सेवा करने के बावजूद, निवासियों का आरोप है कि ये गांव सड़कों, पीने -शेष पृष्ठ दो पर

एक ही दिन दो बड़े एयर क्रैश, फ्रांस और सौदी अरब में 25 लोगों ने गंवाई जान

नई दिल्ली। फ्रांस के नैंसी शहर के पास स्थित टॉम्बलेन इलाके से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। रविवार को स्काईडाइवर्स को लेकर जा रहा एक सिविलियन प्लेन अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। खबरों के मुताबिक, यह हादसा लोकल टाइम के अनुसार सुबह करीब 11 बजे हुआ। इस दर्दनाक एक्सीडेंट में प्लेन में सवार सभी 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि जान गंवाने वालों में पायलट के अलावा 10 पैसेंजर्स शामिल थे, जिनमें 5 ट्रेनी स्काईडाइवर और 5 उनके ट्रेनर थे। हादसे की खबर मिलते ही रेस्क्यू और राहत टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और पूरे एरिया को सील कर दिया गया। फ्रांसीसी अखबार के अनुसार, प्लेन -शेष पृष्ठ दो पर

सेशेल्स ने पीएम मोदी को सर्वोच्च सम्मान *गार्जियन ऑफ द बीच होराइजन* से नवाजा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में बेहतरीन लीडरशिप के लिए सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान *गार्जियन ऑफ द बीच होराइजन* से नवाजा गया है। यह बड़ा सम्मान उन्हें ग्रीन डेवलपमेंट और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने की दिशा में उनके लंबे समय से किए जा रहे शानदार प्रयासों के लिए दिया गया है। भारत ने पिछले कुछ सालों में क्लाइमेट चेंज, रिन्यूएबल एनर्जी और सतत विकास को लेकर ग्लोबल लेवल पर अपनी एक मजबूत और एक्टिव पहचान बनाई है। आपको बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सराहा गया हो। अभी हाल ही में, मई 2026 में संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन ने भी उन्हें सम्मानित किया था। दुनिया भर में फूड सिक्योरिटी को मजबूत करने, एग्रीकल्चर सेक्टर में बड़े बदलाव लाने और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को एग्रिकोला मेडल दिया गया था। सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने पीएम मोदी के साथ अपनी मीटिंग को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठकें -शेष पृष्ठ दो पर

हर साजिश तोड़कर इसी साल लौटूंगी वतन : शेख हसीना

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी वतन वापसी को लेकर एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला एलान किया है। दो साल पहले अमेरिका और पाकिस्तान समर्थित एक तख्तापलट के जरिए सत्ता से हटाए जाने के बाद से शेख हसीना भारत में रह रही हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी वापसी पर बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए साफ कर दिया है कि वे इसी साल बांग्लादेश वापस लौटेंगी। शेख हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश की अदालतों द्वारा उनके खिलाफ दिए जा रहे फैसले पूरी तरह राजनीति से प्रेरित हैं और यह उनकी पार्टी *अवामी लीग* को कमजोर और नेता विहीन बनाने की एक सोची-समझी साजिश है, जिसे वे कभी कामयाब -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

बाहरी दखल से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में होगी देरी : अराघची

बगदाद/तेहरान (हि.स.)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को चेतावनी दी कि समुद्री व्यवस्थाओं में किसी भी बाहरी दखल से स्थिति जटिल होती जाएगी और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की प्रक्रिया में देरी होगी। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम न्यूज के अनुसार, बगदाद में इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता में अराघची ने जोर दिया कि ईरान के समुद्री प्रबंधन के फैसलों पर बाहरी दबाव या दखल नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था थोपने की किसी भी कोशिश से केवल जटिलताएं पैदा होंगी और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में देरी होगी। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि उनकी इराक यात्रा खास और संवेदनशील संदर्भ में हो रही है, उन्होंने इसे ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल के आक्रामक युद्ध के बाद पहली यात्रा बताया। उन्होंने हमलों की निंदा करने और इराकी सरकार व जनता द्वारा दिखाए गए मजबूत समर्थन के लिए इराक का आभार व्यक्त किया। अराघची ने कहा कि उनकी यात्रा के तीन मुख्य उद्देश्य थे: समर्थन के लिए इराक का धन्यवाद देना, नई इराकी सरकार को बधाई देना और पवित्र शहरों नजफ, कर्बला, समारा और काजिमिया में इस्लामिक क्रांति के दिवंगत नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोहों से जुड़ी व्यवस्थाओं का समन्वय करना। उन्होंने बताया कि कई इराकी समूहों ने इसमें भाग लेने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि बातचीत में राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा क्षेत्रों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने जोर दिया कि ईरान-इराक के बीच कीमती रणनीतिक संबंध हैं और वे नई इराकी सरकार के तहत सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अराघची ने आगे कहा कि उन्होंने अपने इराकी समकक्ष को हाल की क्षेत्रीय घटनाओं के बारे में जानकारी दी, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य और लेबनान से संबंधित तनाव के साथ-साथ चल रही राजनयिक बातचीत भी शामिल है। समुद्री व्यवस्थाओं का जिक्र करते हुए, उन्होंने दोहराया कि आपसी समझ के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के भीतर ईरान के प्रबंधन में संकट-पूर्व की स्थिति में लौट आएगा और इस संबंध में किसी देश या संस्था की कोई जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि इन व्यवस्थाओं में दखल देने की किसी भी कोशिश से अस्थिरता और बढ़ेगी। अराघची ने यह भी कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा बाहरी ताकतों को छोड़कर एक नए ढांचे पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान, फारस की खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों के साथ-साथ ईरान और इराक को शामिल करते हुए क्षेत्रीय बातचीत तंत्र के लिए इराक के प्रस्ताव का स्वागत करता है। इराक के विदेश मंत्री फुआद हुसैन ने ईरान-इराक संबंधों को ऐतिहासिक, भौगोलिक, धार्मिक और रणनीतिक बताते हुए किसी भी देश के खिलाफ युद्ध और आक्रामकता के विरोध पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इराक ने पहले तेहरान और वाशिंगटन के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी, लेकिन हाल की घटनाओं के कारण तनाव बढ़ गया है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से इराक के तेल निर्यात पर गंभीर असर पड़ेगा। हुसैन ने क्षेत्रीय संघर्षों को खत्म करने के लिए इराक के समर्थन को दोहराया और एक व्यापक क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे का प्रस्ताव रखा।

दुनिया को समग्र दृष्टिकोण देना भारत की जिम्मेदारी : भागवत

बेंगलुरु (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा है कि आज विश्व जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, उनका समाधान भारत की समग्र एवं समन्वित दृष्टि में निहित है। उन्होंने कहा कि विश्व की विभिन्न विचारधाराएं अपने-अपने अनुभवों पर आधारित हैं और उनका अपना महत्व है, लेकिन वे आंशिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं। ऐसे में संपूर्ण समाधान के लिए दुनिया को भारत के विचार को सुनना ही होगा। डॉ भागवत रविवार को बेंगलुरु के आर्ट ऑफ लिविंग अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में भारतीय शिक्षण मंडल (बीएसएम) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन *राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन : भारतीय ज्ञान प्रणाली का समावेशन* के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन का मूल सिद्धांत *अनेकता* है, जो सभी दृष्टिकोणों का सम्मान करता है। सत्य किसी एक विचार तक सीमित नहीं है। वाद-विवाद के बजाय शास्त्रार्थ और विचार-विमर्श के माध्यम से सभी विचारों के सार को ग्रहण करना भारतीय परंपरा की विशेषता है। डॉ भागवत ने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल का कार्य केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय मूल्यों, संस्कृति और मानव-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने का एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार या आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल किसी भी राजनीतिक दल से संबद्ध संस्था नहीं है। शिक्षा जैसे कार्य राजनीतिक दलों की सीमाओं से ऊपर उठकर स्वतंत्र रूप से किए जाने चाहिए।

पांच वर्षीय बेटे की मां ने की हत्या

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के जोपाडंग दिरिंगपुर इलाके में पांच साल के बच्चे की उसकी मां द्वारा बड़ी बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि जिले के जोपाडंग दिरिंगपुर इलाके में नेउसी बोरो नामक महिला ने अपने पांच साल के बेटे रणबीर सिंह बोरो को दाव से प्रहार कर मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने बच्चों का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। अपने पांच साल के बेटे की हत्या करने के आरोप में पुलिस ने हत्यारन मां को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस संबंध में हत्या का एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से सघन पूछताछ कर रही है।

कराची में रेंजर्स मुख्यालय पर हमले में पांच आतंकी ढेर, तीन जवानों की मौत

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में शनिवार रात सिंध रेंजर्स मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले में तीन जवानों की जान चली गई। इस दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में पांच आतंकवादी मारे गए। एक हमलावर को घायलावस्था में जीवित पकड़ लिया गया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया एवं जनसंपर्क शाखा आईएसपीआर ने इसकी पुष्टि की। पाकिस्तान टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर की विज्ञप्ति में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने सिंध रेंजर्स मुख्यालय पर आतंकी हमले को विफल कर दिया। यह हमला प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकी संगठन जमात-उल-अहरार ने किया। आतंकवादियों ने शनिवार रात लगभग 8:30 बजे कराची के घनी आबादी वाले गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में स्थित सिंध रेंजर्स के स्थानीय मुख्यालय पर हमला किया। सिंध के पुलिस महानिरीक्षक जावेद आलम ओधो ने देरात हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि इस घटना में रेंजर्स के तीन जवान शहीद हो गए। प्रांतीय पुलिस प्रमुख ने कहा कि हमलावरों ने सबसे पहले अपनी गाड़ी परिसर के मुख्य गेट से टकरा दी। उन्होंने बताया कि स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट के कमांडो, एंटी-टेररिस्ट फोर्स और रेंजर्स के जवानों ने तत्परता से मोर्चा संभाला। इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान से संबद्ध जमात-उल-अहरार ने ली है। यह गुट हाल के वर्षों में मुख्य रूप से खैबर पख्तूनख्वा में सक्रिय रहा है और आम नागरिकों, सुरक्षाकर्मियों और सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाता रहा है।

पीएम मातृ वंदना योजना में छत्तीसगढ़ बना देश का अग्रणी राज्य

रायपुर (हि.स.)। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के पंजीयन के लिए 15 जून से 15 जुलाई तक संचालित विशेष अभियान में छत्तीसगढ़ ने ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य ने अभियान के शुरुआती मात्र 9 दिनों में ही निर्धारित लक्ष्य का 72 प्रतिशत पूरा कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। प्रदेश ने न केवल हितग्राहियों के पंजीयन में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है, बल्कि प्री-रजिस्टर्ड हितग्राहियों के निराकरण में भी सभी राज्यों को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक उपलब्धि अर्जित की है। यह उपलब्धि महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, पर्यवेक्षकों, मैदानी अमले तथा सभी संबंधित हितधारकों के समन्वित और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। विशेष अभियान के अंतर्गत जिला जांजगीर-चांपा ने 96 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के साथ पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि मातृ एवं शिशु कल्याण के प्रति जिले की संवेदनशीलता, सक्रियता और प्रभावी कार्यप्रणाली को प्रतिबिंबित करती है। मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवॉय) भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण मातृ कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षित मातृत्व के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। योजना के तहत प्रथम जीवित संतान के जन्म पर पात्र महिलाओं को 5,000 रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाती है, जबकि दूसरी संतान के रूप में बालिका के जन्म पर 6,000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। यह योजना महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने तथा शिशुओं के बेहतर पोषण और समग्र विकास सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महिला एवं बाल विकास विभाग की पूरी टीम, मैदानी अमले और सभी सहयोगी संस्थाओं को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व प्रदान करने के साथ-साथ शिशुओं के स्वस्थ भविष्य की मजबूत आधारशिला तैयार कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ आगामी दिनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर देश के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरेगा।

पृष्ठ एक का शेष

रिकॉर्डतोड़ हीटवेव की चपेट...

करना पड़ा है। कंक्रीट और पुरानी तकनीक से बनी क्लासरूम की इमारतें इतनी गर्म हो गई हैं कि बच्चों और शिक्षकों का वहां बैठना मुश्किल हो गया है। गर्मी से लोहे की रेलवे पटरियां फैल रही हैं और उनके मुड़ने का खतरा बढ़ गया है। इसके कारण ट्रेनों की रफ्तार पर सख्त स्पीड लिमिट (60 मील प्रति घंटा) लगा दी गई है। इतना ही नहीं पानी बचाने के लिए कई इलाके में पाइप के जरिए बगीचों और कारों पर पानी डालने (होजपाइप) पर रोक लगा दी गई है। **स्पेन :** स्पेन इस समय पूरे यूरोप में सबसे ज्यादा तप रहा है। वहां एंडुजार शहर में तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा है। वहीं उत्तरी शहर बिलबाओ में जून का सर्वकालिक रिकॉर्ड टूटते हुए पारा 42.7 सेंटीग्रेड दर्ज किया गया। पिछले 4 दिनों में गर्मी के कारण देश में 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। अत्यधिक सूखे और भीषण गर्मी के कारण स्पेन के जंगलों में भयंकर आग भड़क उठी है। दमकल विभाग चौबीसों घंटे आग बुझाने में जुटा है और कई कस्बों को खाली कराना पड़ा है। **जर्मनी :** जर्मनी के ड्रैविट्ज शहर में शनिवार को तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह जर्मनी के इतिहास का अब तक का सबसे ज्यादा तापमान है। वहीं, कुबशुट्स शहर में रात का तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गया। करीब 150 साल पहले रिकॉर्ड शुरू होने के बाद यह देश की सबसे गर्म रात रही। गर्मी इतनी भीषण है कि कई हाइवे की सड़कें पिघलने और टूटने लगी हैं, जिससे उन्हें बंद करना पड़ा है। जर्मनी में कई स्पोर्ट्स इवेंट्स, म्यूजिक फेस्टिवल्स और कॉन्सर्ट्स को सुरक्षा के लिहाज से रद्द या स्थगित करना पड़ा है। जर्मनी का पड़ोसी डेनमार्क ठंडे देश के रूप में जाना जाता है। वहां भी इस बार ऐसी गर्मी पड़ी है जो इतिहास में कभी नहीं देखी गई। शनिवार को तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। **डेनमार्क :** डेनमार्क में 1874 से रिकॉर्ड रखना शुरू हुआ था। इसके बाद से यह सबसे अधिकतम तापमान है। इससे पहले अगस्त 1975 में सबसे ज्यादा 36.4 डिग्री सेल्सियस गर्मी पड़ी थी। डेनमार्क की सड़कें पिघलने लगी हैं। इस वजह से वहां भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है ताकि सड़कों को उखड़ने से बचाया जा सके। गर्मी से बचने के लिए कोपेनहेगन के मशहूर अमागर बीच और देश के दूसरे तटीय इलाकों में लाखों की संख्या में स्थानीय लोग और पर्यटक उमड़ पड़े। स्थिति यह थी कि ठंडे पानी में नहाने और गर्मी से बचने के लिए बीच पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी। **फ्रांस :** फ्रांस के पिसोस शहर में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर औसत तापमान 30 सेंटीग्रेड को पार कर गया, जो रिकॉर्ड में फ्रांस का सबसे गर्म दिन रहा। यहां रात का तापमान भी औसतन 22 सेंटीग्रेड से नीचे नहीं गया। गर्मी से पटरियों के फैलने के कारण ट्रेनें रोकनी पड़ी हैं और बिजली ग्रिड ठप होने से 50,000 घर बिना बिजली के रह रहे हैं। फ्रांस में सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर पाबंदी लगा दी है। भीषण गर्मी के कारण 1,350 से ज्यादा स्कूल बंद कर दिए गए हैं। **इटली :** इटली में गर्मी लगातार बढ़ रही है। सरकार ने रोम, मिलान, वेनिस, फ्लोरेंस और ट्यूरिन समेत 18 शहरों में सबसे ऊंचा रेड हीट अलर्ट जारी किया है। भीषण गर्मी के कारण देश की सबसे लंबी पो नदी का जलस्तर तेजी से घट रहा है। इस वजह से समुद्र का खारा पानी नदी में घुसने लगा है, जिससे खेती और पेयजल पर खतरा बढ़ गया है। सरकार ने कई इलाकों में लोगों को दोपहर के समय बाहर न निकलने की सलाह दी गई है और कामकाज के समय में भी बदलाव किए गए हैं। **चेक रिपब्लिक :** हीटवेव ने चेक रिपब्लिक को भी नहीं बख्शा है। शनिवार को देश के डोक्सानी शहर में तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले देश का राष्ट्रीय ऑल-टाइम रिकॉर्ड 40.4 सेंटीग्रेड था, जो लगभग 14 साल पहले 20 अगस्त 2012 को डोब्रिचोवाइस शहर में दर्ज किया गया था। मौसम विभाग ने पूरे देश के लिए उच्चतम स्तर का रेड अलर्ट जारी कर रखा है और लोगों को दोपहर में घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। स्विट्जरलैंड के बासेल शहर में तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह देश के इतिहास में जून महीने का सबसे अधिक तापमान है। भीषण गर्मी की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस साल ग्लेशियरों का बर्फ नुकसान रिकॉर्ड समय से पहले शुरू हो गया है। **पोलैंड :** पोलैंड में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग ने देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाने का अनुमान जताया है। अगर ऐसा हुआ तो 1921 में बना 40.2 सेंटीग्रेड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूट जाएगा। सरकार ने स्वास्थ्य चेतावनी जारी की है और लोगों को दोपहर में बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। कई शहरों में कूलिंग सेंटर खोले गए हैं। **पर्तुगाल :** पुर्तगाल में भी तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ है। देश के कई इलाकों में रेड अलर्ट जारी है। भीषण गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग का खतरा काफी बढ़ गया है।

पूर्वोत्तर में बारिश ...

अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य के कई अन्य हिस्सों में भी लगातार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की खबरें हैं, जिससे घर जलमग्न हो गए हैं और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय प्रशासन ने बचाव और निकासी अभियान शुरू किया है। प्रशासन ने सड़कों से मलबा हटाने और यातायात बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर अभियान शुरू किया है, लेकिन लगातार बारिश के कारण राहत कार्यों में बाधा आ रही है। राज्य सरकार ने लोगों से अत्यंत आवश्यक होने पर ही यात्रा करने और भूस्खलन संभावित इलाकों में विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि हालात सामान्य होने तक संवेदनशील मार्गों पर सतर्कता बरती जाए और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन किया जाए।

जल संसाधन विभाग में ...

गुणमणि बैश्य को गिरफ्तार किया गया। सीआईडी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। सीआईडी ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी सरकारी भर्ती संबंधी सूचना की सत्यता केवल आधिकारिक माध्यमों से ही जांचें तथा सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर किसी भी व्यक्ति को धनराशि का भुगतान न करें।

अल्फा (स्वा.) से जुड़े दो ...

बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड हमला करने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर इस संभावित हमले को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस साजिश को विफल करने में सफल रहे हैं। जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखी गई है। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने आरोपितों के कब्जे से एके-सीरीज की दो राइफलें, 172 राउंड गोला-बारूद, दो ग्रेनेड, बैकपैक, जंगल में जीवित रहने का सामान, खाद्य सामग्री, दवाइयां तथा नकदी बरामद की। इसके बाद पुलिस ने एक अन्य अभियान चलाकर उग्रवादियों को लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराने के आरोप में पानीटोला निवासी बिटु बोरा और कल्प बोरा को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, बिटु बोरा की स्विफ्ट कार (एआर-20ए-5892) का इस्तेमाल कथित तौर पर गिरफ्तार दोनों कैडरों ने किया था। वहीं, *ऑल असम मटक युवा छात्र परिषद* के सह महासचिव कल्प बोरा पर अल्फा (स्वा.) को सहयोग देने का आरोप है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों ने कथित तौर पर कबूल किया कि जब्त कार अल्फा (स्वा.) के वरिष्ठ कैडर ऐसेंग आसोम के कहने पर मंगवाई गई थी। पुलिस ने पूरे तिनसुकिया जिले में सुरक्षा बढ़ा दी है और इस कथित साजिश व बड़े सपोर्ट नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने के लिए आगे की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि, 26 जून को केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों की मदद से तिनसुकिया पुलिस द्वारा चलाए गए एक खुफिया-आधारित अभियान में लेखापानी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत जागुन से अल्फा (स्वा.) के दो सक्रिय कैडरों को पकड़ा गया था। जिनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट सियोर आसोम उर्फ हुमेनज्योति बरुवा (27) और स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट मनोज आसोम उर्फ पापु मोरान (30) के रूप में की गई है। ये दोनों वर्ष 2018 में अल्फा (स्वा.) में शामिल हुए थे और कई आतंकी घटनाओं में शामिल पक्के कैडर थे।

अमित शाह और नगा...

शनिवार (28 जून) को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केशम मेघचंद्र सिंह ने इस बैठक को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने कहा कि इसने मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कामकाज के बारे में गंभीर राजनीतिक सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सवाल किया कि आखिर मणिपुर के नगा विधायकों और केंद्रीय गृह मंत्री के बीच बैठक मणिपुर के मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में कैसे आयोजित की जा सकती है? उन्होंने आरोप लगाया कि इस बहिष्कार से मुख्यमंत्री के पद की गरिमा और अधिकारिता को ठेस पहुंची है। इसके साथ ही केशम मेघचंद्र सिंह ने प्रतिनिधिमंडल में शामिल उपमुख्यमंत्री लोसी दीखो की भागीदारी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर राजनीतिक बेचैनी को दर्शाता है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस बैठक से पता चलता है कि डिप्टी सीएम लोसी दीखो और नगा विधायकों को मणिपुर के मौजूदा भाजपा मुख्यमंत्री पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मणिपुर से संबंधित मुद्दों पर राज्य के निर्वाचित नेतृत्व की सक्रिय भागीदारी से चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि मणिपुर के मुख्यमंत्री के बजाय नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व क्यों कर रहे थे। मेघचंद्र ने भाजपा सरकार से मांग की कि वह बताए कि मणिपुर से जुड़े मामलों पर गृह मंत्री से चर्चा के दौरान राज्य के निर्वाचित नेतृत्व को सामूहिक रूप से क्यों नहीं रखा गया। मेघचंद्र ने प्रशासन के संचालन के मामले में सरकार की आलोचना करते हुए पारदर्शिता और सामूहिक जिम्मेदारी की कमी का आरोप लगाया। उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था होने के बावजूद नई दिल्ली में उनकी उपस्थिति शासन की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री को राज्य से शासन करना चाहिए। दिल्ली से काम करना मणिपुर में प्रभावी शासन के अभाव को दर्शाता है। आखिर में कांग्रेस नेता मेघचंद्र ने मुख्यमंत्री को कागजी शेर बताते हुए आरोप लगाया कि उनमें राज्य सरकार का प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने का अधिकार नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, नगालैंड के मुख्यमंत्री रियो और उपमुख्यमंत्रियों यांथुंगो पैटन और टी.आर. जेलियांग ने बुधवार को नई दिल्ली में शाह से मुलाकात की, इस दौरान उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री के साथ सुरक्षा, विकास और अंतर-राज्यीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

13 साल की बच्ची के ...

के मुताबिक, घटना 18 जून की है। पीड़ित बच्ची अपनी एक सहेली से मिलने श्रीविजयनगर गई थी। रात करीब 10:30 बजे वह श्रीगंगानगर पहुंची और घर जाने के लिए रामबाबू नाम के एक ई-रिक्शा ड्राइवर की गाड़ी में बैठी। ई-रिक्शा ड्राइवर उसे घर छोड़ने के बजाय *होटल जॉय इन* ले गया। आरोप है कि इसके बाद अगले चार दिनों तक बच्ची को नशे की हालत में एक होटल से दूसरे होटल शिफ्ट किया गया और कई लोगों ने उसके साथ गलत काम किया। बता दें कि जांच में पहले तीन होटलों की बात सामने आई थी, लेकिन अब पुलिस ने बीरबल चौक के पास *ड्रीम* नाम के एक चौथे होटल का भी पता लगाया है। इन सभी होटलों में बच्ची को छुपाकर रखा गया था। बच्ची के गायब होने के बाद परिवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए 22 जून को होटल जॉय इन से बच्ची को सही-सलामत बरामद किया। बच्ची के बयानों के आधार पर पुलिस अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार लोगों में ई-रिक्शा ड्राइवर रामबाबू, होटल मालिक मयंक सैन, मैनेजर हरदीप नाथ और सचिन शामिल हैं। इसके अलावा दीपक और तरुण नाम के दो अन्य युवकों को भी शनिवार को पकड़ा गया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए 10 लोगों में से 5 आरोपियों ने बच्ची के साथ सीधे तौर पर दरिंदगी की, जबकि बाकी लोगों ने इस अपराध में उनका साथ दिया। मामले में पुलिस ने एक होटल को सील कर दिया है और चारों होटलों के सीसीटीवी (डीवीआर) को अपने कब्जे में ले लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरिशंकर यादव की देखरेख में एक्सपर्ट्स की टीम फुटेज की जांच कर रही है, जिससे कुछ और नाम सामने आ सकते हैं। आरोपियों के मोबाइल फोन से भी कई अहम सुराग मिले हैं।

मेघालय में बुनियादी ...

के पानी, स्वास्थ्य देखभाल और शैक्षिक सुविधाओं जैसे बुनियादी ढांचे से वंचित रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि मेघालय ने इस लंबे समय से चली आ रही उपेक्षा का फायदा उठाते हुए सीमावर्ती कई गांवों में विकास कार्य शुरू कर दिए हैं। सड़कों के निर्माण के अलावा, पड़ोसी राज्य ने पीने के पानी की आपूर्ति, स्कूल, मोबाइल टावर और राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और आधार कार्ड सहित दस्तावेजी सेवाएं भी उपलब्ध कराई हैं। निवासियों का कहना है कि इन पहलों से सीमावर्ती क्षेत्रों में मेघालय का प्रभाव धीरे-धीरे बढ़ा है, और अब कई ग्रामीण दोनों राज्य सरकारों के साथ संबंध बनाए हुए हैं। इसका एक सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण चांग्मा नगर है, जो रानी से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित है। हालांकि आधिकारिक तौर पर यह असम में स्थित है, लेकिन मेघालय के राजपत्र में इसे री-भोई जिले के जिरंग निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत उमचलियांग के रूप में दर्ज किया गया है। जबकि ग्रामीण असम की लोकसभा, विधानसभा, पंचायत और राभा हासोंग स्वायत्त परिषद के चुनावों में मतदान करना जारी रखते हैं और उनके पास असम द्वारा जारी पहचान पत्र होते हैं, स्थानीय सूत्रों ने कहा कि युवा पीढ़ी तेजी से मेघालय से आधिकारिक दस्तावेज प्राप्त करने का विकल्प चुन रही है। यह मुद्दा तब प्रमुखता से सामने आया जब मेघालय के अधिकारियों ने कथित तौर पर चांग्मा नगर के अंदर एक सड़क का निर्माण शुरू कर दिया। निर्माण कार्य की सूचनाओं पर कार्रवाई करते हुए, पालसबारी राजस्व सर्कल अधिकारी अंगकिता शर्मा ने पुलिसकर्मियों के साथ 23 जून को घटनास्थल का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने कथित तौर पर सड़क निर्माण कार्य को जारी पाया और मेघालय के अधिकारियों से यह स्पष्टीकरण मांगा कि क्या इस परियोजना को असम सरकार से मंजूरी मिली है। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों के अनुसार, मेघालय अधिकारियों ने दावा किया कि इस मामले पर कामरूप जिला आयुक्त से चर्चा की गई थी। हालांकि, जिला आयुक्त से संपर्क करने पर सर्कल अधिकारी को सूचित किया गया कि सड़क परियोजना के संबंध में मेघालय से ऐसी कोई अनुमति या आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई थी। इसके बाद, सर्किल अधिकारी ने मेघालय अधिकारियों को निर्माण कार्य को तुरंत रोकने का निर्देश दिया, जिस पर वे कथित तौर पर सहमत हो गए। एक दिन बाद, 24 जून को, पालसबारी के सह-जिला आयुक्त भास्कर कलिता, सह-जिला एसपी डेजी गोगोई और सर्किल अधिकारी डॉ. अंकिता शर्मा के नेतृत्व में असम प्रशासन की एक उच्च स्तरीय टीम ने चांग्मा नगर का दौरा किया और मेघालय प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की।

एक ही दिन दो बड़े ...

स्काईडाइविंग ग्रुप को लेकर जैसे ही उड़ान पर निकला, तभी यह हादसा हो गया। वहीं, न्यूज चैनल ने अपनी शुरुआती रिपोर्ट में बताया कि क्रैश के बाद प्लेन में तगड़े विस्फोट का खतरा बना हुआ था। इसी वजह से पुलिस ने साल्वाडोर अलेंदे स्ट्रीट के आस-पास के इलाके को तुरंत खाली करवा दिया और आम लोगों को दूर रहने की हिदायत दी। खुद फ्रांस के गृह मंत्री भी सिचुएशन का जायजा लेने स्पॉट पर पहुंचे। फिलहाल, प्लेन क्रैश होने की असली वजह सामने नहीं आई है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। दूसरी तरफ, सऊदी अरब से भी रविवार को एक बड़े हवाई हादसे की खबर आई। सऊदी की सरकारी तेल कंपनी अरामको का एक हेलिकॉप्टर रस तनुरा इलाके में क्रैश हो गया। सऊदी की ऑफिशियल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस हादसे में हेलिकॉप्टर के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी 14 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, यह हेलिकॉप्टर लोकल टाइम के मुताबिक सुबह करीब 6 बजे क्रैश हुआ। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय के एक बड़े अधिकारी ने इस हादसे की पुष्टि की है। मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी 14 लोग सऊदी अरब के ही नागरिक थे। हालांकि, अरामको का यह हेलिकॉप्टर कैसे और किन वजहों से क्रैश हुआ, इसका खुलासा अभी तक नहीं किया गया है। अधिकारियों ने मामले की हाई-लेवल जांच शुरू कर दी है।

सेशेल्स ने पीएम मोदी को...

करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। हमारी बातचीत काफी व्यापक और फ्यूचर-ओरिएंटेड रही, जो दोनों देशों के बीच गहरी दोस्ती और भरोसे को दिखाती है। दोनों देशों के बीच डिप्लोमैटिक रिलेशंस की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर सेशेल्स और भारत ने हिंद महासागर क्षेत्र को सुरक्षित और समृद्ध बनाने के अपने विजन को फिर से दोहराया है। इस भव्य स्वागत और सम्मान से गदगद पीएम मोदी ने राष्ट्रपति हर्मिनी का दिल से शुक्रिया अदा किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह सम्मान मिलना मेरे और 140 करोड़ भारतवासियों के लिए बहुत गर्व की बात है। मैं इस अवॉर्ड को बेहद विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं और इसे दुनिया के उन सभी देशों को समर्पित करता हूं जो क्लाइमेट चेंज की चुनौती से मजबूती से लड़ रहे हैं और पर्यावरण को बचाना अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। प्रधानमंत्री ने भारत और सेशेल्स के पुराने रिश्तों का जिक्र करते हुए कहा कि हिंद महासागर ने सदियों से हमारे संबंधों को मजबूत किया है। इसकी लहरों ने हमारे व्यापार, संस्कृति और आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाया है। उन्होंने साफ कहा कि हिंद महासागर हम सबका एक साझा घर है और इसकी सुरक्षा और तरक्की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। यही सोच भारत के *महासागर विजन* का असली बेस है। पीएम मोदी ने अपनी सेशेल्स यात्रा का मैसेज पूरी तरह क्लियर करते हुए कहा कि भारत एक ऐसे हिंद महासागर का सपना देखता है, जहां समुद्री सुरक्षा के साथ-साथ इकोनॉमिक ग्रोथ भी बढ़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारी पार्टनरशिप देश के साइज पर नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और भरोसे पर टिकी है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने तीन दिवसीय दौरे पर सेशेल्स पहुंचे हैं, जहां राजधानी विक्टोरिया में खुद राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उनका ग्रैंड वेलकम किया।

हर साजिश तोड़कर ...

नहीं होने देंगी। एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में शेख हसीना ने बांग्लादेशी अदालतों के फैसलों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ जो भी फैसले आए हैं, वे न्याय नहीं हैं। यह पूरी प्रक्रिया गैर-कानूनी, असंवैधानिक और राजनीतिक मकसद से प्रेरित है। अवामी लीग को खत्म करने के लिए वहां की न्यायपालिका को राजनीतिक बदले का हथियार बना दिया गया है। हसीना ने आगे कहा कि ऐसी साजिशें और कोशिशें इतिहास में पहले भी की गई हैं, जो तब भी नाकाम रही थीं और आगे भी पूरी तरह नाकाम साबित होंगी। बांग्लादेश के कट्टरपंथियों की तरफ से मिल रही लगातार धमकियों को दरकिनार करते हुए शेख हसीना ने कहा कि उन्हें मौत का कोई खौफ नहीं है। इंटरव्यू के दौरान वे काफी भावुक भी नजर आईं और उन्होंने बांग्लादेश के संस्थापक व अपने पिता शेख मुजीबुर्रहमान की क्रूर हत्या और 1975 में अपने पूरे परिवार को खोने के काले दिनों को याद किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इतनी बड़ी त्रासदियों को झेलने के बाद भी वे देश की भलाई के लिए पीछे नहीं हटेंगी और इस साल हर हाल में बांग्लादेश कदम रखेंगी। अपने संघर्षों की कहानी बयां करते हुए शेख हसीना ने कहा कि 1975 में मैंने अपने माता-पिता, अपने भाइयों और लगभग अपने पूरे परिवार को खो दिया था। यही नहीं, 21 अगस्त को मुझ पर ग्रेनेड से हमला करके मेरी जान लेने की कोशिश की गई थी। मेरे खिलाफ न जाने कितने जाल बुने गए, लेकिन मैं हर साजिश को तोड़कर बांग्लादेश की जनता के साथ खड़ी रही।

राम मंदिर को लेकर ...

जताया। उन्होंने कहा कि *श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र* के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि मंदिर का सारा सोना, चांदी और अन्य कीमती सामान पूरी तरह सुरक्षित है। विहिप अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि जब सब कुछ सुरक्षित है, तो *हजारों करोड़ गायब होने* का यह आंकड़ा कहां से आ गया? यह पूरी तरह से हवा-हवाई और समाज में असंतोष पैदा करने की कोशिश है। आलोक कुमार ने इसे सिर्फ एक राजनीतिक बयान न मानकर एक गंभीर दंडनीय अपराध बताया। उन्होंने जांच एजेंसियों और पुलिस से सख्त कदम उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज में अविश्वास, नाराजगी और आस्था को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से की जा रही इस *रूमर मोंगरिंग* (अफवाहबाजी) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353 के तहत मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

पुल के नीचे से शव बरामद

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के देरगांव इलाके में स्थित एक पुल के नीचे से एक युवक का शव बरामद किए जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। इस संदर्भ में पुलिस ने रविवार को बताया कि जिले के देरगांव के धोदाध इलाके में स्थित पुल के नीचे एक युवक का शव देखे जाने की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा मिलने के बाद मौके पर पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मृत युवक की पहचान नतून चापरी निवासी जयंत मुदोई के रूप में की गई है। मृतक की मां और भाई ने युवक की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

पीएम मोदी ने *मन की बात* में की असम की बेटी डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन की सराहना

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* के 135वें संस्करण में असम की प्रसिद्ध वन्यजीव संरक्षणवादी एवं *हरगिला गर्ल* के नाम से विख्यात डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने संकटग्रस्त ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क (हरगिला) के संरक्षण में उनके उल्लेखनीय योगदान को देश के लिए प्रेरणादायी बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कभी अंधविश्वास और गलत धारणाओं के कारण हरगिला पक्षी को अशुभ मानकर उसके घोंसलों वाले पेड़ों तक को काट दिया जाता था। ऐसे समय में डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन ने वर्ष 2007 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय में शोध के दौरान गैर-सरकारी संस्था *आरण्यक* के सहयोग से *हरगिला आर्मी* अभियान की शुरुआत की। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को जोड़कर पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के प्रति जागरूक किया तथा समाज में इस पक्षी के प्रति सकारात्मक सोच विकसित की।

डॉ. बर्मन के प्रयासों से वर्ष 2007 में पचारिया क्षेत्र में जहां केवल 28 सक्रिय हरगिला घोंसले थे, वहीं अब उनकी संख्या बढ़कर 200 से अधिक हो चुकी है। आज *हरगिला आर्मी* 20,000 से अधिक सदस्यों और लगभग 400 स्वयंसेवकों के साथ एक सशक्त जनआंदोलन का रूप ले चुकी है, जो संकटग्रस्त प्रजाति के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन को वर्ष 2017 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित व्हिटली अवॉर्ड (ग्रीन ऑस्कर) भी प्रदान किया गया है। इधर, भाजपा असम प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी बयान में पार्टी के प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा *मन की बात* में डॉ. बर्मन और *हरगिला आर्मी* का उल्लेख किए जाने से उनके संरक्षण अभियान को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी तथा हरगिला संरक्षण के प्रति जनभागीदारी और अधिक सशक्त होगी। इस अवसर पर भाजपा असम प्रदेश अध्यक्ष एवं दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया ने मंगलदै मंडल के बूथ संख्या-154 पर कार्यकर्ताओं के साथ *मन की बात* कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। पार्टी के अनुसार, असम प्रदेश भाजपा ने राज्य के 39 संगठनात्मक जिलों के 433 मंडलों के 30,000 से अधिक बूथों पर कार्यक्रम के सामूहिक श्रवण का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने भाग लिया।

भारी बारिश से रेलवे पुल टूटा, आर्चीपथार सिमेन चापरी के बीच रेल सेवा स्थगित

गुवाहाटी (हिंस)। असम के धेमाजी जिले में लगातार हो रही भारी बारिश और नदी किनारे कटाव के कारण आर्चीपथार-सिमेन चापरी रेलवे खंड पर रेल परिचालन अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। कटाव से रेलवे पुल का एक पियर गिर गया है, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अनुसार, धेमाजी जिले में 110 मिमी से अधिक वर्षा के बाद आई बाढ़ से पुल के समीप नदी का बड़ा हिस्सा बह गया। वर्ष 1965 में निर्मित तथा बाद में ब्रॉडगेज में परिवर्तित इस पुल की स्थिति पहले सुरक्षित थी, लेकिन भारी कटाव के कारण इसका एक पियर प्रभावित हो गया। रेलवे ने स्पष्ट किया कि किसी ट्रेन को नुकसान नहीं पहुंचा है और न ही

कोई यात्री या कर्मचारी घायल हुआ है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए इस कम यातायात वाले रेलखंड पर पहले ही ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया था। तिनसुकिया मंडल के अंतर्गत मुरकोंगसेलेक-सिलापाथर रेलखंड पर रेल सेवाएं अगले आदेश तक बंद रहेंगी। इस दौरान ट्रेनें केवल सिलापथार तक ही संचालित की जाएंगी। मुरकोंगसेलेक और सिलापाथर के बीच यात्रियों के लिए बस सेवा की व्यवस्था की जा रही है। धेमाजी, सिलापाथर और मुरकोंगसेलेक स्टेशनों पर सहायता केंद्र भी खोले गए हैं। रेलवे प्रशासन जिला और राज्य सरकार के साथ मिलकर स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

राज्य में फर्जी चिकित्सकों के विरुद्ध 59 मामले दर्ज, 62 गिरफ्तार : मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा राज्य में फर्जी चिकित्सकों के विरुद्ध सरकार की कड़ी कार्रवाई का खुलासा करते हुए कहा है कि राज्य के अलग-अलग हिस्सों से कुल 62 फर्जी चिकित्सकों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया फेसबुक पर अपने आधिकारिक पेज पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ असम सरकार की कार्रवाई जारी है। जनता की जान से खिलवाड़ किसी भी तरह से कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया है कि फिलहाल 59 मामले दर्ज किए जा चुके हैं और 62 फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि दुष्ट लोगों को यह याद रखना चाहिए आम लोगों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारी ये सख्त कार्रवाई हर क्षेत्र में आगे भी जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में बराक घाटी और निचले असम के धुबड़ी जिले से फर्जी चिकित्सकों की गिरफ्तारी सरकार के इस कदम की पुष्टि करती है।

कैबिनेट मंत्री सिंघल ने धुबड़ी से की राज्यव्यापी पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत

धुबड़ी (हिंस)। असम के कैबिनेट मंत्री और धुबड़ी जिले के प्रभारी मंत्री अशोक सिंघल ने रविवार को *राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस* के मौके पर धुबड़ी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (डीएमसीएच) से राज्यव्यापी पल्स पोलियो कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर बोलते हुए मंत्रा सिंघल ने कहा कि राज्य भर में बच्चों को पोलियो की खुराक देने के लिए 24,000 टीकाकरण केंद्रों पर लगभग 52,000 स्वास्थ्य कर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों की समर्पित कोशिशों से असम में लगभग 95 प्रतिशत माताओं और बच्चों को पहले ही टीकाकरण कार्यक्रम के दायरे में लाया जा चुका है। मंत्री ने यह भी बताया कि राज्य के टीकाकरण प्रबंधन सिस्टम का 99 प्रतिशत से अधिक हिस्सा डिजिटल हो गया है, जिससे

वैक्सीन पहुंचाने की प्रक्रिया ज़्यादा कुशल और पारदर्शी हो गई है। बच्चों की सेहत के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सिंघल ने कहा कि असम इस बात पर ध्यान दे रहा है कि हर बच्चा वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली बीमारियों से सुरक्षित रहे। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में राज्य की प्रगति का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व को दिया और कहा कि सरकार पूरे असम में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना जारी रखेगी। इस कार्यक्रम में धुबड़ी स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. ज्योति कुमार दास, धुबड़ी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की प्रिंसिपल डॉ. अंकुमणि सैकिया और स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

विशेष अभियान के तहत गुवाहाटी पुलिस ने 31 शातिर चोर को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी की पुलिस ने अपराध के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान के तहत शहर के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर 31 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने राजधानी के अलग-अलग स्थानों पर एक साथ अभियान चलाकर आरोपियों को दबोचा। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपित चोरी की कई घटनाओं में संलिप्त बताए जा रहे हैं। अभियान के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में चोरी का सामान भी बरामद किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित अन्य चोरी की वारदातों में भी शामिल थे या नहीं।

गुवाहाटी में तीन अपहरणकर्ता गिरफ्तार, व्यक्ति सकुशल बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस आयुक्तालय के पूर्वी गुवाहाटी पुलिस जिला (ईजीपीडी) के अंतर्गत दिसपुर थाना पुलिस ने अपहरण के एक मामले को महज आठ घंटे के भीतर सफलतापूर्वक सुलझाते हुए अपहृत व्यक्ति को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सिलचर निवासी 45 वर्षीय एक व्यक्ति का बेलतला वायरलेस क्षेत्र से अपहरण कर लिया गया था। अपहर्ताओं ने उसकी रिहाई के बदले छह लाख रुपए की फिरौती की मांग की थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियान चलाया और डिमा हसाओ पुलिस के सहयोग से पीड़ित को सुरक्षित मुक्त करा लिया। अभियान के दौरान पुलिस ने श्रीभूमि सदर के अब्दुल गफ्फार (37), साहब उद्दीन (38) तथा बाइहाटा चारिआली निवासी विकास डेका (36) को गिरफ्तार किया। घटना में प्रयुक्त बिना पंजीकरण नंबर प्लेट वाली स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

धान रोपाई कार्यक्रम में शामिल हुए कृषि मंत्री पीयूष हजारिका

नगांव (हिंस)। असम के कृषि मंत्री पीयूष हजारिका ने रविवार को नगांव जिले के कोंडोली क्षेत्र के बोरकोचारी गांव में आयोजित धान की पौध रोपाई कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों के साथ खेत में उतरकर धान की रोपाई की। कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और किसानों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों से आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान करते हुए कृषि उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में स्थानीय किसान एवं अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

गुवाहाटी के बांडेड गोदाम से चोरी की गई महंगी शराब, हेरोइन और गांजा बरामद, तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के गड़चुक थाना केस संख्या 147/2026 के तहत दर्ज मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लोखरा स्थित एक बांडेड गोदाम से चोरी की गई बड़ी मात्रा में प्रीमियम शराब, संदिग्ध हेरोइन, गांजा तथा नकद राशि बरामद की गई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रंगिया थाना क्षेत्र के मालदापारा निवासी रीता बोडो, गोरचुक थाना क्षेत्र के शांतिपुर निवासी हाबेला दैमारी (46) तथा बेलसर थाना क्षेत्र के बेलसर निवासी चंपक मेधी (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों को नवागांव स्थित उनके किराए के मकान से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके संयुक्त कब्जे से ब्लू लेबल, रॉयल सल्यूट, ब्लैक लेबल, डबल ब्लैक, चिवास रीगल, ब्लैक डॉग और सिग्नेचर ब्रांड की बड़ी मात्रा में प्रीमियम शराब बरामद की। इसके अलावा 1,79,840 रुपए नकद भी जब्त किए गए। प्रारंभिक जांच में बरामद शराब लोखरा स्थित बांडेड गोदाम से चोरी की गई बताई जा रही है। पुलिस ने आगे की तलाशी में दो साबुनदानी में छिपाकर रखी गई 25 ग्राम संदिग्ध हेरोइन, 119 प्लास्टिक की शीशियों में 143 ग्राम संदिग्ध हेरोइन तथा 5.20 किलोग्राम गांजा भी बरामद किया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपित किसी संगठित मादक पदार्थ तस्करी गिरोह से जुड़े हैं या नहीं। मामले की आगे की जांच जारी है।

गुवाहाटी में प्रतिबंधित सिरप जब्त, छह तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पूब गुवाहाटी पुलिस जिला (ईजीपीडी) की सोनापुर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए डिगारू क्षेत्र में भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडीन सिरप जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि, गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान एक यात्रा बैग की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखी गई 198 बोतल कोडीन सिरप बरामद की गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि यह खेप अवैध रूप से तस्करी के लिए ले जाई जा रही थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नगांव जिले के सद्दाम हुसैन (31), दिलदार अली (29), ऐजुल हुसैन (28), अनुवार हुसैन (38), मोइनुल इस्लाम (35) तथा वाहिदुल अली (18) के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

ट्रेन यात्रियों को लूटने वाले अंतर्राज्यीय डकैत गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुप्त सूचना के आधार पर वेस्ट गुवाहाटी पुलिस जिला (डब्ल्यूजीपीडी) के अंतर्गत जालुकबाड़ी थाना पुलिस की एक टीम ने बीती रात आदाबाड़ी स्थित होटल अविसारिका में छापेमारी कर अंतर्राज्यीय डकैत गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को निशाना बनाकर लूटपाट की वारदातों को अंजाम देता था। अभियान के दौरान

गिरोह के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरियाणा के रोहतक निवासी सोनू और कुलदीप, भिवानी निवासी कृष्णा राणा, प्रवीण कुमार और सत्यवान तथा हिसार निवासी संजय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। साथ ही गिरोह के अन्य आपराधिक मामलों में संभावित संलिप्तता और इसके नेटवर्क का भी पता लगाया जा रहा है।

रंगिया में *मेसर्स न्यू भारत गहानलाया* व्यावसायिक प्रतिष्ठान सील

रंगिया (विभास)। रंगिया के सह-जिला आयुक्त कार्यालय द्वारा शनिवार को एक आदेश जारी कर स्टेशन रोड स्थित *मेसर्स न्यू भारत गहानलाया* नामक व्यावसायिक प्रतिष्ठान को सील कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 152 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए की गई है। सीलिंग का यह आदेश 27 जून 2026 को रात 10 बजे से प्रभावी हो गया है। सक्षम प्राधिकारी द्वारा अगला आदेश जारी होने तक यह व्यावसायिक परिसर पूरी तरह सील रहेगा। इस प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान मौके पर कार्यपालक मजिस्ट्रेट जिलजिली थाओसेन और वाहिदुज जमान, सब-इंस्पेक्टर अरूप कुमार दास, रंगिया पौर सभा के टैक्स कलेक्टर लुत्फुर रहमान, दुकान के मालिक के बड़े भाई शहाबुद्दीन लस्कर और दो अन्य गवाह मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कोकराझाड़ : अवैध बीयर की भारी खेप बरामद, एक गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अपने विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से ले जाई जा रही इंडियन मेड फॉरेन लिकर की खेप को जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार, कोकराझाड़ पुलिस की एक टीम ने डमरापाड़ा नाका चेकिंग पॉइंट पर एक संदिग्ध वाहन को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस भी हैरान रह गई, क्योंकि वाहन में बांस के लट्ठों की आड़ में भारी मात्रा में बीयर की पेटियां छिपाकर ले जाई जा रही थीं। पुलिस ने वाहन से 237 कार्टन बरामद किए, जिनमें कुल 5,688 बीयर के कैन भरे हुए थे। तस्करों ने सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से बचने के लिए बीयर को बांस की परतों के नीचे बहुत ही शातिराना ढंग से छिपाया था। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह अवैध खेप कहां से लाई जा रही थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। कोकराझाड़ पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

कामरूप में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया गया

जिले ने लगभग दो लाख बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा

अमीनगांव। कामरूप के जिला उपायुक्त देब कुमार मिश्र ने रविवार को हाजो बीपीएचसी के तहत सिंगीमारी-दादरा मॉडल अस्पताल में अतिरिक्त जिला उपायुक्त (स्वास्थ्य) मोनिका बरगोहाईं की उपस्थिति में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस अभियान के जिला स्तरीय उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस तीन दिवसीय अभियान के दौरान, जो 28 जून से शुरू होकर 30 जून तक चलेगा, जिले ने 0 से 5 वर्ष की आयु वर्ग के लगभग 1,99,637 बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा है। इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र बच्चे को ओरल पोलियो वैक्सीन मिले, जो भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने के प्रति जिले की प्रतिबद्धता को दोहराता है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए पूरे

जिले में स्वास्थ्य संस्थानों और सड़क किनारे के स्थानों पर संस्थागत और ट्रांजिट बूथों सहित कुल 1,180 टीकाकरण बूथ स्थापित किए गए हैं। इसके लिए 4,486 स्वास्थ्य कर्मियों, 236 बूथ पर्यवेक्षकों (सुपरवाइजर्स), 54 सेक्टर अधिकारियों, 26 से अधिक ब्लॉक स्तरीय पर्यवेक्षकों के अलावा जिला और ब्लॉक स्तरीय पर्यवेक्षक टीमों को तैनात किया गया है। नदी तटीय और अन्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों को कवर करने के लिए *बोट क्लीनिक* (नाव चिकित्सालयों) के माध्यम से विशेष व्यवस्था भी की गई है, ताकि इस टीकाकरण अभियान से कोई भी पात्र बच्चा छूटने न पाए। इस अवसर पर जिला उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल है जिसका उद्देश्य 0-5 वर्ष की आयु के बच्चों की पोलियो से रक्षा करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि कामरूप जिले के स्वास्थ्य कर्मी निर्धारित तीन दिनों के भीतर टीकाकरण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समर्पण के साथ काम करेंगे। उन्होंने सभी माता-पिता और अभिभावकों से भी अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि अभियान के दौरान हर पात्र बच्चे को ओरल पोलियो वैक्सीन दी जाए। कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, जिला प्रशासन ने इससे पहले जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में दो *जिला टास्क फोर्स* की बैठकें आयोजित की थीं। अभियान के सुचारू संचालन के लिए विस्तृत योजना और समन्वय तैयार किया गया था। जिले को ओरल पोलियो वैक्सीन की कुल 2,19,600 खुराकें प्राप्त हुई हैं, जिन्हें जिले भर के 43 कोल्ड चेन पॉइंट्स में वितरित किया गया है। सभी स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण भी दिया गया है, जिसमें बोट क्लीनिकों के माध्यम से नदी तटीय क्षेत्रों सहित उच्च जोखिम वाले और दुर्गम क्षेत्रों को कवर करने पर विशेष जोर दिया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम में राज्य निगरानी अधिकारी (आईडीएसपी) डॉ. भारती बरकाकोती, स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त निदेशक डॉ. अजीत दास, सीएमएंडएचओ (सीडी), अतिरिक्त सीएमएंडएचओ-सह-जिला टीकाकरण अधिकारी, एसडीएमएंडएचओ (हाजो बीपीएचसी), सिंगीमारी-दादरा मॉडल अस्पताल के उप अधीक्षक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और आम जनता उपस्थित थी।

संपादकीय

शरिया की वकालत, लोकतंत्र का अपमान

भारत एक संप्रभु और लोकतांत्रिक राष्ट्र है जिसकी व्यवस्था किसी धार्मिक ग्रंथ से नहीं, बल्कि भारतीय संविधान से चलती है। यदि भारत में रहकर किसी जनप्रतिनिधि को पाकिस्तानी कानून या शरिया आधारित व्यवस्था इतनी ही आदर्श लगती है, तो यह केवल उसकी वैचारिक भटकाव का प्रमाण नहीं है, बल्कि उस संवैधानिक शपथ का भी खुला अपमान है जिसे लेकर वह लोकतंत्र के मंदिर में पहुँचा है। महाराष्ट्र विधानसभा में हाल ही में जो वाकया सामने आया, वह इसी चिंताजनक मानसिकता को उजागर करता है। सदन में चर्चा का मूल विषय अत्यंत गंभीर और संवेदनशील था। भाजपा ने तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं के शोषण का मुद्दा उठाया था। एक सभ्य समाज और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि वे महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा के मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बात करें। लेकिन, इसके विपरीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विधायक सना मलिक ने जिस प्रकार खुलेआम पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए इस्लामिक कानून, कुरान के नियमों और बहुविवाह का समर्थन किया, वह स्तब्ध करने वाला है। एक तरफ देश की मुस्लिम महिलाएं तीन तलाक और बहुविवाह जैसी कुप्रथाओं से मुक्ति पाने के लिए वर्षों से कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ एक महिला विधायक ही इन प्रथाओं को मजहब के नाम पर जायज ठहरा रही हैं। सदन में यह कहना कि भारत को भी पाकिस्तान की तरह शरिया कानून लागू करना चाहिए, भारत के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा प्रहार है। यह बयान केवल एक क्षणिक भावावेश नहीं है; यह उस खतरनाक मानसिकता का परिचायक है जो देश के कानून से ऊपर मजहबी आस्था को स्थापित करना चाहती है। यह वही मानसिकता है, जिसने इस्लाम के नाम पर अपने लिए एक नया मुल्क पाकिस्तान माँग लिया था। अगर शरिया कानून से इतना ही प्रेम है, तब सना मलिक जैसे लोग भारत में क्यों रह रहे हैं? सना मलिक के इस बयान को उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि से भी अलग करके नहीं देखा जा सकता। उनके पिता और एनसीपी के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक पर पहले ही अंडरवर्ल्ड से संबंधों के गंभीर आरोप लग चुके हैं। ऐसे में, इस तरह के बयान तुष्टिकरण और एक विशेष वोट बैंक को साधने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा प्रतीत होते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर एक महिला विधायक होकर भी सना मलिक को उन हजारों, लाखों मुस्लिम महिलाओं का दर्द क्यों नहीं दिखाई देता जो इन प्रथाओं के कारण वर्षों तक प्रताड़ना झेलती रही हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें बहुविवाह जैसी कुप्रथाओं पर पूर्ण प्रतिबंध होगा। उत्तराखंड इसका उदाहरण देश के सामने है, जहां ऐसे मामलों में सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। भारत को 21वीं सदी में आगे बढ़ने के लिए ऐसे ही प्रगतिशील और समान कानूनों की आवश्यकता है। आज सबसे बड़ा सवाल उन तथाकथित धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों से है जो इस तरह के बयानों पर रहस्यमयी चुप्पी साधे बैठे हैं। क्या सिर्फ वोट बैंक के लिए महिलाओं के अधिकारों की बलि चढ़ा दी जाएगी? लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने की स्वतंत्रता है, लेकिन इस स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि आप उसी संविधान की धज्जियां उड़ाएं जिसने आपको वह अधिकार दिया है। जो लोग खुलेआम पाकिस्तान और इस्लामिक कानून की पैरवी करते हैं, उन्हें यह तय करना होगा कि उनकी निष्ठा भारतीय संविधान के प्रति है या किसी विदेशी और कट्टरपंथी व्यवस्था के प्रति। भारत की संवैधानिक पहचान के साथ ऐसा खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

सदन में चर्चा का मूल विषय अत्यंत गंभीर और संवेदनशील था। भाजपा ने तीन तलाक और मुस्लिम महिलाओं के शोषण का मुद्दा उठाया था। एक सभ्य समाज और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि वे महिलाओं के अधिकारों और उनकी सुरक्षा के मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बात करें। लेकिन, इसके विपरीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विधायक सना मलिक ने जिस प्रकार खुलेआम पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए इस्लामिक कानून, कुरान के नियमों और बहुविवाह का समर्थन किया, वह स्तब्ध करने वाला है। एक तरफ देश की मुस्लिम महिलाएं तीन तलाक और बहुविवाह जैसी कुप्रथाओं से मुक्ति पाने के लिए वर्षों से कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ एक महिला विधायक ही इन प्रथाओं को मजहब के नाम पर जायज ठहरा रही हैं। सदन में यह कहना कि भारत को भी पाकिस्तान की तरह शरिया कानून लागू करना चाहिए, भारत के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा प्रहार है। यह बयान केवल एक क्षणिक भावावेश नहीं है; यह उस खतरनाक मानसिकता का परिचायक है जो देश के कानून से ऊपर मजहबी आस्था को स्थापित करना चाहती है। यह वही मानसिकता है, जिसने इस्लाम के नाम पर अपने लिए एक नया मुल्क पाकिस्तान माँग लिया था।

कुछ अलग

पराक्रम की विरासत

एक्शन बेस्ड गेम सीरीज स्टार फॉक्स तीन दशक से चली आ रही लोकप्रिय वीडियो गेम श्रृंखला है, जिसके अभी तक करीब एक दर्जन संस्करण, दो स्पिन ऑफ सहित कई भाग आ चुके हैं. 1993 में लॉन्च हुई इस सीरीज का नया संस्करण स्टार फॉक्स इसी सप्ताह रिलीज हुआ है, जो 1997 में आए स्टार फॉक्स 64 का आधुनिक रीमेक है. विज्ञान-कथा, अंतरिक्ष युद्ध और रोमांच से भरपूर स्टार फॉक्स की कहानी लाइलेट सिस्टम नामक एक ग्रह-समूह में घटित होती है, जहां विभिन्न ग्रहों पर मानव जैसे व्यवहार करने वाले पशु रहते हैं. यह एक बेटे की अपने पिता की विरासत को सम्मान देने और पूरे ब्रह्मांड को एक तानाशाह से बचाने की रोमांचक यात्रा है, जिसका नायक फॉक्स मैक्लॉड एक युवा और साहसी पायलट है. मैक्लॉड के पिता एक दुष्ट वैज्ञानिक एन्ड्रॉस की साजिश का शिकार हो अपनी जान गंवा चुके हैं. उनकी विरासत को संभालने वाला मैक्लॉड अपनी टीम के साथ एक के बाद एक ग्रह पर जाकर एंड्रॉस की सेना को हराने और अंततः उसके मुख्य अड्डे तक पहुंचकर उसे रोकने के मिशन पर है. यह एक मल्टीप्लेयर उडी गेम है, जिसे निन्तँदो स्विच 2 पर खेला जा सकता है.

आपातकालीन निकास, संकरी सड़कें, अवैध पार्किंग और नियमों के पालन में गंभीर लापरवाही

अग्नि-जाल में बदलते शहरी भवन

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज विश्व के सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाले देशों में शामिल है। आर्थिक विकास, औद्योगीकरण, सेवा क्षेत्र के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर निरंतर हो रहे पलायन ने भारतीय शहरों का स्वरूप तेजी से बदला है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक बहुमंजिला इमारतें, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, कोचिंग संस्थान, होटल, अस्पताल और मिश्रित-उपयोग (Mixed-Use) वाले भवन विकास के नए प्रतीक बनकर उभरे हैं। किंतु इस विकास के पीछे एक गंभीर सच्चाई भी छिपी है—शहरी नियोजन की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और प्रशासनिक शिथिलता। परिणामस्वरूप, आज अनेक शहरी भवन आर्थिक प्रगति के केंद्र होने के साथ-साथ संभावित ₹अग्नि-जाल₹ भी बनते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई अग्नि-दुर्घटनाओं ने इस संकट की भयावहता को उजागर किया है। दिल्ली के कोचिंग संस्थानों, सूरत के कोचिंग सेंटर, कोलकाता के होटल, हैदराबाद की व्यावसायिक इमारतों, मुंबई के अस्पतालों और अनेक बाजारों में लगी आग ने सैकड़ों परिवारों को असमय शोक में डुबो दिया। अधिकांश घटनाओं में एक जैसी कमियाँ सामने आईं—भवनों का अनधिकृत उपयोग, अग्नि-सुरक्षा उपकरणों का अभाव, बंद या अवरुद्ध आपातकालीन निकास, संकरी सड़कें, अवैध पार्किंग और नियमों के पालन में गंभीर लापरवाही। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या किसी एक भवन, किसी एक शहर या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हमारे पूरे शहरी विकास मॉडल की है। भारत में मिश्रित-उपयोग वाले भवनों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक ही भवन में नीचे दुकानें, ऊपर कार्यालय, उसके ऊपर कोचिंग संस्थान और सबसे ऊपर आवास होना अब सामान्य बात है। यह व्यवस्था आर्थिक दृष्टि से लाभकारी अवश्य प्रतीत होती है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत जोखिमपूर्ण है। ऐसे भवनों में ज्वलनशील सामग्री, विद्युत उपकरण, गैस सिलेंडर, बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति और सीमित निकास मार्ग आग लगने की स्थिति में उसे विनाशकारी बना देते हैं। यदि भवन मूल रूप से आवासीय उद्देश्य के लिए निर्मित हो और बाद में बिना संरचनात्मक परिवर्तन के व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपयोग में लाया जाए, तो खतरा कई गुना बढ़ जाता है। अनियोजित शहरीकरण इस समस्या की सबसे बड़ी जड़ है। भारत के अधिकांश शहर बिना दीर्घकालिक मास्टर प्लान के फैलते गए। आबादी बढ़ती गई, लेकिन सड़कें नहीं बढ़ीं; भवन ऊँचे होते गए, परंतु अग्निशमन सेवाओं की क्षमता उसी अनुपात में विकसित नहीं हुई। अनेक पुराने बाजारों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में अग्निशमन वाहन तक प्रवेश नहीं कर पाते। कई स्थानों पर बिजली के तारों का जाल, अवैध पार्किंग और अतिक्रमण आग पर नियंत्रण की प्रक्रिया को और कठिन बना देते हैं। ऐसी परिस्थितियों में कुछ ही मिनटों में छोटी आग भी बड़ी त्रासदी में बदल जाती है। इस संकट का दूसरा महत्वपूर्ण कारण नीतिगत विरोधाभास है। एक ओर सरकार 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के

आर्थिक विकास, औद्योगीकरण, सेवा क्षेत्र के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर निरंतर हो रहे पलायन ने भारतीय शहरों का स्वरूप तेजी से बदला है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक बहुमंजिला इमारतें, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, कोचिंग संस्थान, होटल, अस्पताल और मिश्रित-उपयोग (Mixed-Use) वाले भवन विकास के नए प्रतीक बनकर उभरे हैं। किंतु इस विकास के पीछे एक गंभीर सच्चाई भी छिपी है—शहरी नियोजन की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और प्रशासनिक शिथिलता। परिणामस्वरूप, आज अनेक शहरी भवन आर्थिक प्रगति के केंद्र होने के साथ-साथ संभावित ₹अग्नि-जाल₹ भी बनते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई अग्नि-दुर्घटनाओं ने इस संकट की भयावहता को उजागर किया है। दिल्ली के कोचिंग संस्थानों, सूरत के कोचिंग सेंटर, कोलकाता के होटल, हैदराबाद के व्यावसायिक इमारतों, मुंबई के अस्पतालों और अनेक बाजारों में लगी आग ने सैकड़ों परिवारों को असमय शोक में डुबो दिया।

माध्यम से व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अनुमतियों की प्रक्रिया सरल बना रही है, वहीं दूसरी ओर सुरक्षा मानकों के अनुपालन पर पर्याप्त बल नहीं दिया जा रहा। कई राज्यों में निश्चित ऊँचाई तक के भवनों को अनिवार्य अग्नि-अनापत्ति प्रमाण-पत्र (Fire NOC) से छूट प्राप्त है। परिणामस्वरूप हजारों ऐसे भवन बिना नियमित अग्नि-सुरक्षा निरीक्षण के संचालित होते रहते हैं। कई बार भवन निर्माण की अनुमति एक उद्देश्य के लिए मिलती है, किंतु समय के साथ उसका उपयोग पूरी तरह बदल जाता है। दुर्भाग्य से इस परिवर्तन की प्रभावी निगरानी करने वाली कोई मजबूत प्रणाली विकसित नहीं हो सकी है। प्रशासनिक समन्वय का अभाव भी स्थिति को जटिल बनाता है। भवन निर्माण की अनुमति नगर निगम देता है, भूमि उपयोग परिवर्तन विकास प्राधिकरण देखता है, व्यापार लाइसेंस किसी अन्य विभाग से जारी होता है और अग्नि-सुरक्षा का दायित्व अग्निशमन विभाग पर होता है। इन विभागों के बीच सूचनाओं का समुचित आदान-प्रदान नहीं होने से नियमों का प्रभावी अनुपालन नहीं हो पाता। कई बार भवन निर्माण के समय सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली जाती हैं, लेकिन बाद में भवन में किए गए अवैध परिवर्तन वर्षों तक किसी की निगाह में नहीं आते। भ्रष्टाचार और जवाबदेही का अभाव भी इस समस्या का महत्वपूर्ण पहलू है। यदि निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रह जाएँ और प्रमाण-पत्र वास्तविक जाँच के बिना जारी होने लगें, तो नियमों का अस्तित्व मात्र औपचारिकता बनकर रह जाता है। अनेक दुर्घटनाओं के बाद यह सामने आया कि भवनों में अग्निशामक यंत्र तो लगे थे, किंतु उनकी समय-समय पर जाँच नहीं हुई थी। कई स्थानों पर स्प्रिंकलर प्रणाली कार्य नहीं कर रही थी या आपातकालीन निकास पर ताले लगे हुए थे। यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि प्रशासनिक और नैतिक विफलता भी है। नागरिक जागरूकता की कमी भी इस संकट को बढ़ाती है। अधिकांश लोग भवन खरीदते या किराए पर लेते समय अग्नि-सुरक्षा व्यवस्था की जाँच नहीं करते। व्यापारिक प्रतिष्ठान लागत कम करने के लिए सुरक्षा उपकरणों की उपेक्षा करते हैं। नियमित मॉक ड्रिल, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण और आपातकालीन निकासी अभ्यास को अनावश्यक समझा जाता है। जबकि विकसित देशों में अग्नि-सुरक्षा संस्कृति (Fire Safety Culture) को विद्यालय स्तर से ही बढ़ावा दिया जाता है। भारत में आपदा प्रबंधन की व्यवस्था पिछले दो दशकों में काफी मजबूत हुई है, लेकिन आग जैसी शहरी आपदाओं की रोकथाम पर अपेक्षित ध्यान अभी भी नहीं दिया गया है। आपदा आने के बाद राहत और बचाव कार्यों में हमारी संस्थाएँ उल्लेखनीय कार्य करती हैं, किंतु यदि रोकथाम और जोखिम न्यूनीकरण पर समान गंभीरता से निवेश किया जाए तो अनेक त्रासदियों को रोका जा सकता है। आपदा प्रबंधन का मूल सिद्धांत भी यही है कि रोकथाम पर खर्च किया गया प्रत्येक रुपया राहत और पुनर्वास पर होने वाले कई गुना व्यय को बचाता है। अब आवश्यकता केवल दंडात्मक कार्रवाई की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले शहरी नियोजन को वैज्ञानिक और भविष्य-दृष्टि वाला बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक शहर में भूमि उपयोग, जनसंख्या घनत्व, सड़क चौड़ाई, जल स्रोत, अग्निशमन केंद्रों की स्थिति और आपातकालीन पहुँच मार्गों का पुनर्मूल्यांकन किया जाए। मिश्रित-उपयोग वाले क्षेत्रों के लिए अलग सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाएँ और भवनों की स्वीकृति इन्हीं मानकों के अनुरूप हो। दूसरा, राष्ट्रीय भवन संहिता तथा अग्नि-सुरक्षा मानकों का देशभर में समान रूप से कठोर अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भवन की ऊँचाई के बजाय उसमें उपस्थित लोगों की संख्या, गतिविधि की प्रकृति और अग्नि-जोखिम के आधार पर सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाने चाहिए। सभी सार्वजनिक और मिश्रित-उपयोग भवनों में स्वचालित स्प्रिंकलर, धुआँ संवेदक, अग्नि-अलार्म, आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था और स्पष्ट निकास मार्ग अनिवार्य हों। तीसरा, भवनों की स्वीकृति, व्यापार लाइसेंस, Fire NOC और निरीक्षण को एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से जोड़ा जाए। यदि किसी भवन का उपयोग स्वीकृत उद्देश्य से भिन्न पाया जाए या उसका सुरक्षा प्रमाण-पत्र समाप्त हो जाए तो संबंधित विभागों को स्वतः सूचना प्राप्त हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भू-स्थानिक तकनीक का उपयोग कर जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है। चौथा, अग्निशमन सेवाओं का आधुनिकीकरण अत्यंत आवश्यक है। आधुनिक उपकरण, ऊँची इमारतों तक पहुँचने वाली हाइड्रोलिक सीढ़ियाँ, पर्याप्त जल स्रोत, प्रशिक्षित मानव संसाधन और तेज प्रतिक्रिया प्रणाली विकसित की जाए। छोटे और मध्यम शहरों में भी अग्निशमन अवसंरचना को जनसंख्या और भवनों की संख्या के अनुरूप मजबूत किया जाना चाहिए। पाँचवाँ, नागरिक सहभागिता को नीति का अभिन्न अंग बनाया जाए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों, अस्पतालों और आवासीय सोसाइटियों में नियमित अग्नि-सुरक्षा प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाएँ।

देश दुनीया से

गांव का पुस्तकालय — विकसित भारत की पहली प्रयोगशाला

विकास की सच्ची पहचान चौड़ी सड़कों या बड़े उद्योगों से नहीं, बल्कि अवसरों की समान पहुंच से होती है। जब प्रतिभा को अपने ही गांव में भविष्य गढ़ने का अवसर मिले, तभी लोकतंत्र सार्थक होता है। हरियाणा ने 'अटल ई-पुस्तकालय' अभियान से यह उदाहरण प्रस्तुत किया है। राज्य के 985 से अधिक गांवों में स्थापित आधुनिक पुस्तकालय केवल अध्ययन-कक्ष नहीं, बल्कि लाखों ग्रामीण युवाओं के सपनों के नए आधार बन चुके हैं। यहां नवीनतम पुस्तकें, डिजिटल अध्ययन-सुविधाएं, तीव्रगति इंटरनेट, शांत वातानुकूलित वातावरण और एकाग्र अध्ययन का अनुकूल परिवेश उपलब्ध है। परिणामस्वरूप गांव का युवा अब अपने ही गांव से प्रशासनिक सेवाओं, पुलिस सेवा, बैंक, कर्मचारी चयन आयोग, शिक्षक भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूरे आत्मविश्वास के साथ कर रहा है। इस पहल की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल पुस्तकालयों का निर्माण नहीं, बल्कि उस धारणा को बदलना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल शहरों की पहचान है। वर्षों तक बेहतर संसाधनों की तलाश में ग्रामीण विद्यार्थियों को घर छोड़ना पड़ता था और शिक्षा परिवार पर आर्थिक बोझ बन जाती थी। हरियाणा ने यह स्थिति बदल दी है। अब गांव का विद्यार्थी अपने ही गांव में डिजिटल संसाधनों, राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन अभ्यास परीक्षाओं और नवीनतम अध्ययन सामग्री का लाभ उठाकर बिना पलायन अपने भविष्य की मजबूत नींव रख रहा है। यह केवल सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि शिक्षा के भूगोल में ऐतिहासिक परिवर्तन है। इसने सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा का भविष्य स्थान नहीं, अवसर तय करते हैं। इन पुस्तकालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्होंने अध्ययन को व्यक्तिगत संघर्ष से सामूहिक शक्ति में बदल दिया है। गांव के युवा यहां साथ बैठकर तैयारी करते हैं, समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं, एक-दूसरे की शंकाओं का समाधान करते हैं और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाते हैं। डिजिटल पुस्तकालय और तीव्रगति इंटरनेट उन्हें

विश्वस्तरीय ज्ञान, नवीनतम अध्ययन सामग्री तथा बदलते परीक्षा-पैटर्न से निरंतर जोड़ते हैं। जिन सुविधाओं के लिए कभी बड़े शहरों की महंगी कोचिंग और किराए के कमरों पर निर्भर होना पड़ता था, वे आज गांव में ही उपलब्ध हैं। इससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है, साथ ही परिवार और समाज से जुड़ाव भी बना हुआ है। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का सबसे सशक्त और जीवंत स्वरूप आज हरियाणा के इन ग्रामीण पुस्तकालयों में दिखाई देता है। इस व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति उसकी जमीनी भागीदारी है। पुस्तकालयों का संचालन केवल सरकारी तंत्र नहीं, बल्कि ग्राम पंचायतों की सक्रिय सहभागिता से हो रहा है। इसलिए प्रत्येक पुस्तकालय स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित हुआ है। जहां कृषि संबंधी प्रतियोगी परीक्षाओं की मांग है, वहां उसी अनुरूप अध्ययन सामग्री है; जहां सरकारी नौकरियों की तैयारी प्रमुख है, वहां आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं। यह ऊपर से थोपा गया मॉडल नहीं, बल्कि गांव की जरूरतों से निर्मित व्यवस्था है। इसलिए युवा इन पुस्तकालयों को केवल सरकारी भवन नहीं, बल्कि अपने भविष्य और गांव की सामूहिक पूंजी मानते हैं। यही स्वामित्व-बोध किसी भी जनकल्याणकारी योजना की स्थायी सफलता का आधार बनता है। शिक्षा विशेषज्ञ इस पहल को उचित ही 'ज्ञान का लोकतंत्रीकरण' कहते हैं। जब ज्ञान पर आर्थिक संसाधनों का एकाधिकार टूटता है, तभी सामाजिक न्याय का वास्तविक मार्ग प्रशस्त होता है। आज किसान का बेटा और मजदूर की बेटी भी उसी स्तर की तैयारी कर रहे हैं, जिसके लिए कभी महंगी कोचिंग और शहर में रहना अनिवार्य माना जाता था। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं में ग्रामीण युवाओं की भागीदारी और प्रशासनिक सेवाओं में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। मेरिट का आधार आर्थिक स्थिति नहीं, बल्कि प्रतिभा बनेगी। शिक्षा की यह समानता सामाजिक विषमताओं को भी कम करेगी। विकास तभी स्थायी होता है, जब उसकी धारा नीचे से ऊपर बहे। हरियाणा ने इस सिद्धांत को व्यवहार में उतारकर दिखाया है। अब प्रश्न केवल हरियाणा की सफलता का नहीं, बल्कि देश की विकास-प्राथमिकताओं का है। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों में आज भी लाखों युवा बेहतर अध्ययन-संसाधनों के लिए शहरों की ओर पलायन करते हैं। यदि प्रत्येक पंचायत में आधुनिक ई-पुस्तकालय स्थापित किए जाएं, तो यह केवल शिक्षा नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सामाजिक समरसता और रोजगार के नए अवसरों का भी आधार बन सकता है। केंद्र सरकार को डिजिटल इंडिया, कौशल विकास और ग्रामीण विकास की योजनाओं से इस मॉडल को जोड़कर राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप देना चाहिए। जिस प्रकार डिजिटल भुगतान और ग्रामीण इंटरनेट ने भारत की कार्यसंस्कृति बदली है, उसी प्रकार ज्ञान तक समान पहुंच का यह अभियान शिक्षा के परिदृश्य को नई दिशा दे सकता है। अब हर पंचायत में आधुनिक पुस्तकालय का सपना कल्पना नहीं, बल्कि एक सिद्ध, व्यवहारिक और राष्ट्रीय स्तर पर अपनाए जाने योग्य मॉडल है। हरियाणा की यह पुस्तकालय क्रांति एक गहरी सीख देती है—राष्ट्र केवल राजधानी की ऊंची इमारतों से नहीं, गांवों के अध्ययन-कक्षों से भी बनता है।

आप का नजरीया

आस्था से छल

अयोध्या में राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए दान और कीमती सामान की हेराफेरी की घटनाओं ने देश-विदेश के रामभक्तों को विचलित किया है। कभी आमजन में कहा जाता था कि 'भगवान से डर', लेकिन पैसे की हवस देखिए कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंद लोगों ने भगवान के घर में चोरी करने में कोई डर महसूस नहीं किया। ये प्रबंधन व व्यवस्था की पारदर्शिता की खोट तो है ही, मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा भी है कि मंदिर में चढ़ावे की देखरेख को तैनात लोग ही चोरी-चकारी में लिप्त हो जाएं। इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन-फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं। खासकर, भाजपा के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि राम जन्म भूमि वाले प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिस मुद्दे को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आती रही है, उस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर होगा। निस्संदेह, इस प्रकरण से राम भक्तों की आस्था को गहरी चोट तो पहुंची है। सवाल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी पर भी उठेंगे कि उसने समय रहते इस चोरी को क्यों नहीं पकड़ा। बेहतर होता कि दोषियों के खिलाफ ट्रस्ट की तरफ से स्वतः प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जाती। सवाल पूछा जा सकता है कि आखिर क्यों ट्रस्ट चंदे की रकम का हिसाब-किताब विश्वसनीय तरीके से नहीं रख पाया। निश्चय ही इस प्रकरण से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की साख भी दांव पर लगी है। वह उन भक्तों की भावनाओं की रक्षा नहीं कर पाया, जिन्होंने मंदिर निर्माण से लेकर अब तक दिल खोलकर दान दिया। जब चंदा प्रबंधन से जुड़े लोगों के घर से लाखों की नकदी बरामद हुई और चोरी के पैसे से जमीन खरीदने के आरोप सामने आए तो भक्तों की आस्था पर आंच आना स्वाभाविक ही है। आरोप सिर्फ नकदी के हेरफेर के ही नहीं लगे बल्कि कीमती गहनों को खुर्दबुर्द करने के भी लगे। वहीं प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान दान में मिली चांदी की छड़ों के गायब होने का भी आरोप है। बहरहाल, 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले सामने आए इस विवाद ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष जहां दोषियों पर समय रहते कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहा है, वहीं भाजपा इन आरोपों को अयोध्या को बदनाम करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश बता रही है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि जिन भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए पांच सौ साल तक इंतजार किया, उन्हें एसआईटी जांच अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने का इंतजार करना चाहिए। उनकी दलील है कि इस शर्मनाक मामले की तह तक जाने के लिये एक पारदर्शी और समय-सीमा के भीतर होने वाली जांच बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल चंदे के रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने और स्वतंत्र ऑडिट की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के दान और धार्मिक आस्था से जुड़े मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह प्रकरण देश के बड़े धार्मिक संस्थानों में चंदे के प्रबंधन में पारदर्शिता व सतर्कता की मांग करता है। चंदे का नियमित ऑडिट किया जाना, तकनीक आधारित प्रबंधन, डिजिटल ट्रैकिंग और स्वतंत्र निगरानी वाले आधुनिक सिस्टम की जरूरत को दर्शाता है।

कभी आमजन में कहा जाता था कि 'भगवान से डर', लेकिन पैसे की हवस देखिए कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंद लोगों ने भगवान के घर में चोरी करने में कोई डर महसूस नहीं किया। ये प्रबंधन व व्यवस्था की पारदर्शिता की खोट तो है ही, मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा भी है कि मंदिर में चढ़ावे की देखरेख को तैनात लोग ही चोरी-चकारी में लिप्त हो जाएं। इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन-फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं। खासकर, भाजपा के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि राम जन्म भूमि वाले प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिस मुद्दे को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आती रही है, उस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर होगा।

दृष्टि कोण

पासपोर्ट भी नहीं तो फिर क्या? नागरिकता के उलझे तारों में पंसा आम आदमी

आखिर में, भारतीयता सिर्फ कागजों की मोहताज नहीं है, पर इस डिजिटल युग में कागज ही आपकी पहचान की नींव हैं। इस नींव को मजबूत रखना, आज हर भारतीय की अपनी सुरक्षा के लिए पहली शर्त बन गई है। पासपोर्ट भी नहीं तो फिर क्या? नागरिकता के उलझे तारों में पंसा आम आदमी भारत में नागरिकता को लेकर चल रही हालिया बहस ने एक ऐसी गहरी कानूनी और सामाजिक पहेली को जन्म दिया है, जिसे सुलझाना अब आम नागरिक के लिए अनिवार्य हो गया है। हाल ही में विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट सेवा दिवस पर जो स्पष्टीकरण दिया, उसने देश भर के मध्यम वर्ग में खलबली मचा दी है। मंत्रालय ने दो टूक शब्दों में कहा कि पासपोर्ट केवल एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं। सुनने में यह तकनीकी लगता है, लेकिन इसकी गहराई में उतरने पर पता चलता है कि हमारी पहचान को लेकर जो सुरक्षा का बोध था, वह कितना कच्चा है। आज के दौर में जब हर गलीनुक्कड़ पर घुसपैठियों के फजा दस्तावेजों से नागरिकता हासिल करने की खबरें सुर्खियां बन रही हैं, तब यह सवाल पूछना लाजमी है कि आखिर भारत की नागरिकता का असली आधार क्या है? क्या हम उस सुरक्षा चक्रव्यूह में पंसे हैं, जहाँ कागजों की बाजीगरी किसी को भी भारतीय बना सकती है और किसी को भी बेघर? इस पूरी प्रायि के पीछे का नेक्सस (गठजोड़) बेहद व्यवस्थित और खतरनाक है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के मामले में जो पैटर्न सामने आया है, वह बताता है कि वैसे स्थानीय मदद से पहले आधार कार्ड बनवाया जाता है, फिर उसके आधार पर वोटर आईडी और अंत में पासपोर्ट। हाल के आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि केवल 2025 में ही भारत ने करीब 1.39 करोड़ पासपोर्ट जारी किए। इतनी बड़ी संख्या में पासपोर्ट जारी करने वाली मशीनरी के भीतर जब फजावाड़े की गुंजाइश बचती है, तो वह राष्ट्रीय सुरक्षा को सीधे चुनौती देती है। घुसपैठिये अक्सर स्थानीय बिचौलियों

की मदद से उन इलाकों में अपनी जड़ें जमाते हैं जहाँ दस्तावेज बनवाना आसान होता है। एक बार आधार बन गया, तो वह नाम और पते की पहचान बन जाता है। इसी पहचान के दम पर वे वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराते हैं और फिर भारत के नागरिक के रूप में पासपोर्ट के लिए आवेदन कर देते हैं। इस पूरे खेल में पुलिस वेरिफिकेशन की प्रक्रिया भी कभीकभी सतही साबित होती है, जिसका फायदा उठाकर ये लोग भारतीय होने का कानूनी मुखौटा पहन लेते हैं। कानूनी रूप से यह स्थिति और भी पेचीदा है। 1955 का नागरिकता कानून स्पष्ट करता है कि नागरिकता जन्म, वंश, पंजीकरण या प्रावृतिक तरीके से मिलती है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि देश की 99.99 फीसदी आबादी के पास कोई ऐसा सिंगल कार्ड नहीं है जिसे वे नागरिकता का प्रमाण पत्र कह सकें। आधार कार्ड नागरिकता नहीं देता, यह केवल निवास का प्रमाण है, जिसे सुप्रीम कोर्ट से लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट तक ने कई बार दोहराया है। वोटर आईडी भी केवल चुनावी सूची का हिस्सा होने का प्रमाण है। जब विदेश मंत्रालय यह कहता है कि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो वह केवल कानून का पाठ पढ़ा रहा होता है, लेकिन एक आम नागरिक के लिए यह बयान उसकी पूरी अस्मिता पर प्रहार जैसा महसूस होता है। इस बहस की किड़यों को अगर 2019 के सीएए-एनआरसी के दौर से जोड़कर देखें, तो डर स्वाभाविक है। उस समय सरकार ने कहा था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है।

अखिलेश जी, अयोध्या को रामभक्तों ने संवारा, आप पश्चाताप कर रामलला के दर्शन करिए : मुख्यमंत्री योगी

हाथरस (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर कड़ा प्रहार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाने की बात करने वालों को पहले अपना इतिहास देखना चाहिए। जिस समाजवादी पार्टी की सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं, राम जन्मभूमि आंदोलन का विरोध किया, कृष्ण जन्माष्टमी के आयोजनों पर रोक लगाई और कांवड़ यात्रा तक प्रतिबंधित कर दी, वह आज अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाने की बात कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हाथरस में हाथरस, सिकंदराराऊ व सादाबाद तीन विधानसभा क्षेत्रों में 548 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 143 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। वहीं लाभार्थियों को आवास की चाभी, स्मार्ट फोन, युवा उद्यमी योजना के तहत चेक वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों का निरीक्षण किया। इस दौरान स्टॉल के पास एक नन्ही बच्ची को चम्मच से दूध पिलाया, गोद में लेकर दुलार किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा अखिलेश यादव का बयान पढ़कर आश्चर्य हुआ, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी

सरकार बनने पर अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, अरे, आप क्या धार्मिक नगरी बनाएंगे। पहले अपना इतिहास देखिए। आपकी ही समाजवादी पार्टी की सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलाई थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज अयोध्या त्रेता युग की स्मृतियों को साकार करती दिखाई दे रही है। रामभक्तों के परिश्रम और पुरुषार्थ से अयोध्या विश्वभर के श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी है। ऐसे में अब समाजवादी पार्टी को भी अयोध्या की याद आने लगी है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने थानों और जेलों में होने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के कार्यक्रम तक बंद करा दिए थे। कांवड़ यात्रा पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। अब हाथरस में 22 से अधिक मंदिरों का सौंदर्यीकरण कराया गया है, लेकिन यह कार्य समाजवादी सरकार में कभी संभव नहीं था। तब यही पैसा कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल बनाने में खर्च होता था। हमने वही पैसा मंदिरों की ओर डायवर्ट किया है। कब्रिस्तानों की नहीं, मंदिरों की आवश्यकता है क्योंकि मंदिर हमारी आस्था के केंद्र हैं। मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव को सलाह देते हुए कहा कि वे अयोध्या की चिंता छोड़ दें क्योंकि अयोध्या अपनी पहचान के लिए किसी की मोहताज नहीं है। अखिलेश जी, अयोध्या को रामभक्तों ने सजाया और संवारा है। आप उसकी चिंता मत करिए। पश्चाताप कर एक बार रामलला के दर्शन कर लीजिए, शायद सद्बुद्धि आ जाए। सपा वास्तव में धार्मिक आस्था का सम्मान करना चाहती है तो उसे खुलकर मथुरा-वृंदावन और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के पक्ष में बोलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन चला था, उसी प्रकार श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए भी अभियान चलाने की बात समाजवादी पार्टी को खुलकर करनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उनकी सरकार श्रीकृष्ण जन्मभूमि आने वाले श्रद्धालुओं को सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए युद्धस्तर पर कार्य कर रही है। लेकिन समाजवादी पार्टी में इतनी हिम्मत नहीं है क्योंकि उसका पूरा एजेंडा केवल तुष्टिकरण की राजनीति तक सीमित है। अखिलेश जी, आपमें हिम्मत नहीं है। आप तो मुल्ला-मौलवियों के सामने घुटने टेकने के अलावा कोई ऐसा एजेंडा नहीं रखते जो प्रदेश के विकास, अयोध्या, मथुरा और काशी के उत्थान तथा उनकी पौराणिक पहचान को मजबूत करने का हो। जनता की आंखों में धूल झोंकना बंद करिए। *खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे* वाली कहावत को चरितार्थ मत करिए। अयोध्या की पहचान पूरी दुनिया में है और उसे किसी राजनीतिक दल के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास केवल वहीं संभव है, जहां सुरक्षा और कानून व्यवस्था का मजबूत वातावरण हो। तीनों विधानसभा क्षेत्रों को लगभग 548 करोड़ रुपए की परियोजनाएं उपहार स्वरूप मिली हैं, जिसके लिए सभी क्षेत्रवासियों को बधाई देता हूं। सुरक्षा के बेहतर माहौल में ही विकास की आशा और आकांक्षाएं पूरी होती हैं। जहां दंगे, उपद्रव और बार-बार कर्फ्यू लगता हो, वहां विकास और उज्ज्वल भविष्य की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की यही स्थिति थी। कौन-सा ऐसा जिला था, जहां दंगे नहीं हुए। मथुरा के जवाहरबाग की घटना, कोसीकलां के दंगे, मेरठ, अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर के दंगे प्रदेश की पहचान बन गए थे। हर दूसरे-तीसरे महीने कर्फ्यू लगता था, व्यापार ठप हो जाता था, नौजवानों को रोजगार से हाथ धोना पड़ता था और प्रदेश की छवि पूरे देश में खराब होती थी।

बेटियों की शिक्षा में दूरी या संसाधनों की कमी कभी बाधा नहीं बननी चाहिए : मनोहर लाल

पानीपत (हिंस)। केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने रविवार को पानीपत के गांव नौलथा में आयोजित एक कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों की 276 जरूरतमंद और मेधावी छात्राओं को स्कूल आने-जाने की सुविधा के लिए साइकिलें वितरित कीं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तीन नए स्किल डेवलपमेंट सेंटरों का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि बेटियों की शिक्षा में दूरी या संसाधनों की कमी कभी बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में इससे पहले भी 500 साइकिलें वितरित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूरा होने के बाद भी ग्रामीण अंचल की कोई भी बेटी या गरीब परिवार की बच्ची ऐसी बचती है जिसे स्कूल जाने के लिए साइकिल की अति आवश्यकता है, तो उसे भी समाज और सरकार के सहयोग से साइकिल मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यही है कि किसी भी गरीब बच्चे की उच्च शिक्षा में कोई रुकावट न आए। ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने नौलथा गांव में तीन महत्वपूर्ण स्किल (कौशल) सेंटरों का उद्घाटन किया। इन सेंटरों में एक सिलाई सेंटर, एक ब्यूटी पार्लर सेंटर और एक आधुनिक कंप्यूटर सेंटर शामिल है।

संत कबीर दास ने समाज को एकता और सद्भाव की राह दिखाई : डॉ. कृष्ण मिड्ढा

जींद (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि वर्तमान केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान अपने सरकारी आवास का नाम कबीर कुटिया रखा था, जो संत कबीर साहेब के आदर्शों के प्रति उनकी गहरी आस्था और प्रेरणा को दर्शाता है। यह केवल एक नाम नही बल्कि सादगी, सेवा, पारदर्शिता और जनकल्याण की भावना का प्रतीक था। कबीर कुटिया नामकरण के माध्यम से उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जीवन में दिखावे से अधिक महत्व सादगी, सत्य और लोकसेवा का है। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा रविवार को संत शिरोमणि कबीर साहेब जी के 629वें प्रकटोत्सव दिवस पर रोहतक रोड स्थित कबीर चौक व रामराय गेट स्थित श्री संत कबीर आश्रम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने संत कबीर साहेब जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रकटोत्सव की शुभकामनाएं दी। समाज द्वारा रखी गई मांगों को पर आश्वासन देते हुए उन्होंने जींद विधानसभा क्षेत्र में समाज की चौपालों, भवनों व अन्य संस्थाओं पर लगभग 70 लाख रुपए की धन राशि से विकास करवाने की बात कही। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी संत कबीर साहेब सहित सभी महान संतों के विचारों को आत्मसात करते हुए बिना भेदभाव के विकास कार्य करवा रहे हैं। गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लागू की जा रही हैं ताकि समाज के हर वर्ग को समान अवसर और सम्मान मिले।

बिजली संकट से परेशान ग्रामीणों ने जाम लगाकर जताया विरोध

पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति खराब रहने से गुस्साए ग्रामीण

हांसी (हिंस)। जिले के गांव घिराय में बिजली संकट से परेशान ग्रामीणों ने हांसी-बरवाला रोड जाम करके रोष जताया। इस जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ा। जाम लगा रहे ग्रामीणों ने रविवार को आरोप लगाया कि, पिछले काफी समय से गांव में बिजली आपूर्ति बेहद खराब है। बार-बार शिकायत के बावजूद बिजली विभाग कोई ठोस समाधान नहीं कर रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे ग्रामीण सतीश बूरा ने बताया कि सरकार शहरों में 24 घंटे बिजली देने का दावा करती है, लेकिन गांवों में नाममात्र की बिजली मिल रही है, जिससे आम जनजीवन और किसानों को परेशानी हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि समस्या किसी तकनीकी खराबी या लाइन फॉल्ट की नहीं है, बल्कि सभी लाइनें दुरुस्त होने के बावजूद पर्याप्त बिजली नहीं दी जा रही। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों पर फोन न उठाने और शिकायतों पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया, जिसके कारण उन्हें सड़क पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा। जाम की सूचना मिलते ही भाटला चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, प्रदर्शनकारी बिजली समस्या के स्थायी समाधान की मांग पर अड़े रहे। दोपहर तक भी बिजली निगम का कोई अधिकारी गांव में नहीं पहुंचा। इस प्रदर्शन में ग्रामीण राहुल, राजेश, विक्की, लाडी सहित पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के सदस्य भी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने यूपीएससी चयनित अभ्यर्थियों से किया संवाद राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का किया आह्वान

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिविल सेवा परीक्षा एवं भारतीय वन सेवा परीक्षा-2025 में चयनित राजस्थान के अभ्यर्थियों से संवाद किया। इस दौरान अभ्यर्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और मुख्यमंत्री ने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा में सफलता कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से ही संभव है। उन्होंने सफल अभ्यर्थियों से अपने सेवाकाल को जनकल्याण, विकसित राजस्थान और विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति के लिए समर्पित करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ आने वाली पीढ़ी को भी राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में आधारभूत सुविधाओं के विकास, पानी-बिजली की उपलब्धता और रोजगार सृजन के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर तेजी से कार्य कर रही है। संवाद कार्यक्रम में अनुज अग्निहोत्री, पक्षाल सेक्रेटरी, प्रवीण त्रल्लू, अदिति अरोड़ा, अनीता सहित अन्य चयनित अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री से बातचीत की। इस अवसर पर ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कार्मिक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अभ्यर्थी और उनके परिजन उपस्थित रहे।

राम मंदिर दान प्रकरण मामले में पुलिस ने आरोपियों के आवासों पर छापा मारा

अयोध्या (हिंस)। श्री राम मंदिर दान प्रकरण में रविवार को पुलिस ने इस प्रकरण में सभी आरोपियों के आवासों में छापेमारी की । छापे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सख्त रहीं। अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के स्वर्गद्वार मोहल्ले में स्थित आरोपी राम शंकर यादव टिन्नू के घर पहुंची, जिसका नेतृत्व सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने किया। उनके साथ आई पुलिस ने पडोसियों से भी जानकारी जुटाई रहे हैं। पुलिस इस मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों को जेल भेज चुकी है। पुलिस ने आरोपी अविनाश शुक्ला के भाई अभिषेक शुक्ला से घंटों पूछताछ की। अभिषेक शुक्ला ने बताया कि मुझे नहीं पता कि मेरा भाई अविनाश शुक्ला क्या करता था,अगर उसने चोरी की है तो उसकी सजा वह भुगतेगा। अगर उसने गलती की है तो मैं उसके साथ खड़ा नहीं होऊंगा। कोतवाली नगर के कौशलपुरी कॉलोनी स्थित योगाचार्य डॉ. चैतन्य के योग सेंटर के हाल में दोनों भाई रहते हैं । वहीं मामले से जुड़े अनुकल्प मिश्रा के घर पर भी पुलिस की टीम पहुंची और संभावित सबूतों की तलाश में तलाशी अभियान चलाया। सोमवार को पुलिस सभी आरोपियों को कोर्ट में फिर से पेश करेगी और उसी क्रम में साक्ष्य जुटाने में लगी है। सोमवार को तय होगा कि रिमांड आगे बढ़ानी है या नहीं। दान गबन मामले की जांच

लगातार तेज होती जा रही है और पुलिस साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। इस प्रकरण में थाना राम जन्मभूमि ने राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी कृष्णमोहन की तहरीर पर आठ नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसकी विवेचना सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी कर रहे है। थाने में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्र, मनीष यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्र, सुभाष श्रीवास्तव व रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के खिलाफ सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर, सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

श्री अकाल तख्त के आदेश का अक्षरशः पालन करेंगे आज सभी मंत्री-विधायक होंगे पेश : भगवंत मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब सिख कौम की सर्वोच्च धार्मिक संस्था है और उसके प्रत्येक आदेश का पूरी श्रद्धा व निष्ठा के साथ पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब किए गए पंजाब विधानसभा के स्पीकर सहित सभी मंत्री और विधायक सोमवार को वहां उपस्थित होकर राज्य सरकार का पक्ष रखेंगे। श्री अमृतसर साहिब में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उनकी नकल करने वाले व्यक्ति की फर्जी वीडियो से संबंधित समस्त विवरण भी श्री अकाल तख्त साहिब को सौंपेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल इस मुद्दे को धार्मिक रंग देकर

रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति और धर्म को कभी भी एक-दूसरे के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की अपील की। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब प्रत्येक सिख के लिए सर्वोच्च आस्था का केंद्र और हमारी कौम का सर्वोच्च तख्त है। वहां से जारी प्रत्येक आदेश है और उसका अक्षरशः पालन किया जाएगा। हमारे सभी मंत्री, विधायक तथा पंजाब विधानसभा के स्पीकर, जिन्हें श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा तलब किया गया है, सोमवार को वहां उपस्थित होंगे। वे एक विनम्र सिख के रूप में श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष सरकार की स्थिति स्पष्ट करेंगे तथा अपना पक्ष रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मुझे पहले श्री अकाल तख्त साहिब ने बुलाया था, तब मैं वहां उपस्थित होने के लिए भारत के राष्ट्रपति के एक कार्यक्रम को भी छोड़कर गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी मैं गांवों, सामाजिक कार्यक्रमों और जनसभाओं में जाता हूं, वहां भारी जनसमर्थन मिलता है। विपक्षी दल इसे सहन नहीं कर पा रहे क्योंकि वे स्वयं ऐसा जनसमर्थन जुटाने में असमर्थ हैं। इस जोरदार समर्थन से इसी निराशा में वे मेरे विरुद्ध निराधार आरोप लगाने लगे हैं। पंजाब के लोग ऐसी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा, कांग्रेस और अकाली दल मुझे धार्मिक रूप से बदनाम कर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं, जबकि मैं केवल रोजगार, पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र विकास जैसे मुद्दों पर लोगों के हित में कार्य कर रहा हूं। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शीघ्र ही जत्थेदार साहिब को पत्र लिखकर बताएगी कि किस प्रकार मेरी छवि खराब करने के लिए मेरी नकल करने वाले व्यक्ति की फर्जी वीडियो का उपयोग किया गया। पत्र को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हमारे मंत्रियों और विधायकों के श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होने के बाद आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। सिख पंथ में संगत ही सर्वोच्च है और प्रत्येक निर्णय उसकी इच्छा के अनुरूप लिया जाएगा, क्योंकि संगत हर निर्णय का न्याय करने में पूरी तरह सक्षम है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा 70 वर्ष पुराने *नांदेड़ सिख गुरुद्वारा सचखंड श्री हजूर अब चलनगर साहिब अधिनियम, 1956* को निरस्त करने के निर्णय पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार को सिख कौम के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

बिहार में हर महीने के आखिरी रविवार को *पंचायत विकास दिवस* आयोजित किया जाएगा : सम्राट चौधरी

पटना (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को मुंगेर जिले के टेटिया बम्बर प्रखंड की टेटिया ग्राम पंचायत से *पंचायत विकास दिवस* कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम *मन की बात* के 135वें संस्करण का भी श्रवण किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को *पंचायत विकास दिवस* आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं की समीक्षा, स्थानीय समस्याओं पर चर्चा और उनके समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करना है। उन्होंने कहा कि वर्ष में 12 बार पंचायत प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी और ग्रामीण एक मंच पर बैठकर पंचायत के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल का लक्ष्य पंचायतों को गरीबी मुक्त, स्वच्छ, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि *पंचायत विकास दिवस* के दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा, जल प्रबंधन,

सिंचाई, पेयजल, स्वच्छता, हरित विकास, सामाजिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सांसदों, विधायकों, जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों, मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य और पंचों से ग्राम सभाओं के माध्यम से अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। सम्राट चौधरी ने बताया कि पहले *पंचायत विकास दिवस* की थीम *महिला हितैषी पंचायत* रखी गई है। सरकार की प्राथमिकता महिलाओं को सशक्त बनाना है, लिहाजा, राज्य सरकार जीविका दीदियों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है और बड़ी संख्या में महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी प्रखंडों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडल स्कूल स्थापित किए जाएंगे, जहां बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार 211 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज स्थापित करने की दिशा में भी कार्य कर रही है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों का रुख न करना पड़े। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में सरकारी मॉडल स्कूलों की गुणवत्ता इतनी बेहतर होगी कि निजी स्कूलों के विद्यार्थी भी वहां पढ़ना पसंद करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में गरीबों के लिए आवास, बुनियादी सुविधाओं और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। केंद्र सरकार की नई विकास योजनाओं के तहत अगले चार से पांच वर्षों में बिहार को 50 से 70 हजार करोड़ रुपए मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में साढ़े चार करोड़ लोगों को पक्के मकान मिले हैं, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में पिछले 20 वर्षों के दौरान लगभग एक करोड़ लोगों को पक्का आवास उपलब्ध कराया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अस्पतालों की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। 15 अगस्त से ऐसी व्यवस्था लागू करने का लक्ष्य है, जिससे अनुमंडल और जिला अस्पतालों में ही मरीजों का बेहतर उपचार सुनिश्चित हो सके और अनावश्यक रेफरल की आवश्यकता कम हो। मुख्यमंत्री ने मुंगेर क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार इस क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा कि तारापुर की जनता ने उन्हें 46 हजार मतों से विजयी बनाकर विधानसभा भेजा है और वे इस क्षेत्र के लोगों के सपनों को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

चिरांद के बंगाली बाबा घाट पर होगा गंगा महाआरती का आयोजन

सारण (हिंस)। डोरीगंज जिले के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल चिरांद के बंगाली बाबा घाट पर चिरांद विकास परिषद के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 19वें गंगा महाआरती सह गंगा गरिमा रक्षा समारोह की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। इस कार्यक्रम को लेकर घाटों की विशेष सजावट की जा रही है, जहाँ महाआरती, दीपों की श्रृंखला और विशेष धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से आम जनमानस को गंगा की निर्मलता और अविरलता का संदेश दिया जाएगा। चिरांद विकास परिषद के अध्यक्ष कृष्ण कांत ओझा ने बताया कि चिरांद विकास परिषद पिछले 19 वर्षों से लगातार इस आयोजन के माध्यम से लोगों को गंगा संरक्षण के प्रति जागरूक करता आ रहा है। इस वर्ष कार्यक्रम को पहले से कहीं अधिक आकर्षक बनाने की रूपरेखा तैयार की गई है। मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के कला संस्कृति

मंत्री प्रमोद कुमार इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। समारोह को लेकर आयोजित एक प्रेस वार्ता में उन्होंने ने घाट परिसर की सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था, श्रद्धालुओं के बैठने के प्रबंध तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। आयोजन समिति ने बताया कि इस बार की गंगा महाआरती में काशी और हरिद्वार की तर्ज पर विशेष आरती और वैदिक मंत्रोच्चार किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को अनूठी आध्यात्मिक अनुभूति होगी। इस प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से गंगा समग्र के प्रांत संगठन मंत्री जय किशोर पाठक, चिरांद विकास परिषद के सचिव श्रीराम तिवारी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष रामदयाल शर्मा और राजेश पांडे उपस्थित थे।

गर्मी के मौसम में एसी की बिक्री गिरी ठंडे पेय और आइसक्रीम की धूम, बेमौसम बारिश और महंगाई ने एसी उद्योग को झटका दिया

नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में गर्मी से जुड़े उत्पादों की बिक्री ने एक दिलचस्प तस्वीर पेश की है। जहां उम्मीद के विपरीत एयर कंडीशनर (एसी) की मांग कमजोर रही, वहीं ठंडे पेय, आइसक्रीम और डेयरी उत्पादों ने शानदार वृद्धि दर्ज की। मौसम में अप्रत्याशित बदलाव और लगातार बढ़ती महंगाई के दबाव ने उपभोक्ताओं की खर्च करने की आदतों को प्रभावित किया, जिससे गर्मी से राहत देने वाले उत्पादों की बिक्री में विरोधाभासी रुझान देखने को मिला है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, जून में देश के कई हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश, आंधी और शाम के समय कम तापमान ने एसी की बिक्री पर नकारात्मक प्रभाव डाला। गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने बताया कि जून में, खासकर उत्तर भारत में, एसी की बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि मौसम में बदलाव के अलावा, पिछले कुछ वर्षों में एसी की कीमतों में 18 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि ने भी उपभोक्ताओं को एयर कूलर और पंखों जैसे सस्ते विकल्पों की ओर धकेल दिया है। हालांकि, कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में एसी उद्योग के कारोबार के मूल्य में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी और ऊंची कीमतें हैं। इसके उलट, पेय पदार्थ और डेयरी कंपनियों ने इस गर्मी में जोरदार मांग दर्ज की। कोका-कोला भारत के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी को पूरे गर्मी के मौसम में अच्छी मांग मिली, जिसमें छोटे पैक, क्विक कामर्स और चलते-फिरते उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति ने प्रमुख भूमिका निभाई। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने घोषणा की कि जून तिमाही में उनके ताजा डेयरी उत्पादों और आइसक्रीम कारोबार की बिक्री मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिकारी की वृद्धि हुई है।

आइसक्रीम, दही और डेयरी पेय की मजबूत मांग ने इस वृद्धि को गति दी। हैवमोर आइसक्रीम के एक अप्रबंध निदेशक देबब्रत मुखर्जी ने त्वरित उपभोग वाले उत्पादों जैसे कोन, स्टिक और सिंगल-सर्व कप की बढ़ती मांग पर जोर दिया, जिसे फटाफट सामान पहुंचाने वाले मंचों से बल मिला। वहीं, डीएस ग्रुप के अधिकारी ने बताया कि रायता मसाला, छाछ मसाला और जलजीरा जैसे पारंपरिक भारतीय पेय पदार्थों की मांग में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, जो दर्शाता है कि पारंपरिक स्वाद भी शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में उपभोक्ताओं की पहली पसंद हैं।

न्यूज ब्रीफ

आपरेटिंग सिस्टम हाइपरओएस 4 शीघ्र होगा पेश

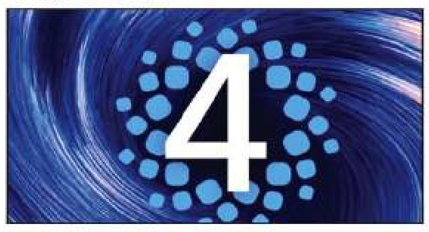

नई दिल्ली। चाइनीकी कंपनी शाओमी ने अपने अपकमिंग आपरेटिंग सिस्टम, हाइपरओएस 4 के जल्द लान्च होने की पुष्टि कर दी है। हालांकि, शाओमी ने अभी तक उन डिवाइस की आधिकारिक सूची जारी नहीं की है जिन्हें यह अपडेट मिलेगा, लेकिन कई रिपोर्ट्स में शाओमी, रेडमी और पोको स्मार्टफोन व टैबलेट के नाम सामने आए हैं। एंड्रायड 17 पर आधारित यह नया ओएस बेहतर परफार्मेंस, नया इंटरफेस, एआई फीचर्स और मजबूत प्राइवेसी टूल्स के साथ आएगा, जिससे यूजर्स को एक बेहतरीन अनुभव मिलने की उम्मीद है। कंपनी के मुताबिक, हाइपरओएस 4 को सबसे पहले चीन में जुलाई से अगस्त 2026 के बीच पेश किया जाएगा, जिसके कुछ हफ्तों बाद इसके वैश्विक ऐलान की उम्मीद है। माना जा रहा है कि स्टेबल अपडेट से पहले शाओमी बीटा प्रोग्राम भी शुरू कर सकती है और शाओमी 17 सीरीज तथा रेडमी के90 सीरीज सबसे पहले बीटा अपडेट पाने वाले डिवाइस हो सकते हैं। यदि कंपनी अपने पुराने अपडेट शेड्यूल पर कायम रहती है, तो वैश्विक यूजर्स के लिए हाइपरओएस 4 की रोलआउट प्रक्रिया अक्टूबर 2026 के आसपास शुरू हो सकती है। मौजूदा साफ्टवेयर अपडेट पालिसी के आधार पर शाओमी 15 सीरीज, शाओमी 15 अल्ट्रा, शाओमी 14 सीरीज, रेडमी नोट 15 सीरीज, रेडमी नोट 14 प्रो सीरीज, पोको एफ7 सीरीज, पोको एक्स7 सीरीज और पोको एक्स6 प्रो जैसे कई डिवाइस को यह अपडेट मिलने की संभावना है। कुछ रेडमी टैबलेट और पोको डिवाइस को भी यह अपडेट मिलने की उम्मीद है।

भारतीय सिनेमा में पूंजी का नया अध्याय, उद्योग को संपत्ति वर्ग बनाने की पहल

मुंबई। लगभग 22,000 करोड़ रुपये का भारतीय फिल्म कारोबार एक महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहां अब एक नई तरह की पूंजी का प्रवाह देखा जा रहा है। यह पारंपरिक निजी इक्विटी फंड या रणनीतिक निवेश से अलग है; यह उन फंडों का शुद्ध वित्तीय निवेश है जो धनाढ्य निवेशकों (एचएनआई) या संस्थानों से पैसे जुटाते हैं, जिनकी भारतीय सिनेमा में शेयर बाजार की तरह ही निवेश करने में रुचि है। इस नई पहल का मुख्य लक्ष्य भारतीय फिल्मों को एक नवीन संपत्ति वर्ग के रूप में स्थापित करना है, कुछ हद तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के माडल पर। फिल्मनी ग्लोबल और सिनेनाउ जैसे दो फंड इस दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं, जो उद्योग में स्थायी व्यावसायिक माडल विकसित करने की क्षमता रखते हैं। पूंजी की कमी और नए अवसर: भारतीय फिल्म उद्योग में लंबे समय से पूंजी की कमी एक चुनौती रही है। एबंडेंटिया एंटरटेनमेंट के संस्थापक का कहना है कि हमारे उद्योग में जरूरत के हिसाब से बहुत कम पूंजी उपलब्ध है। निर्माता आमतौर पर स्ट्रीमिंग और टेलीविजन कंपनियों या फिल्म वितरकों जैसे खरीदारों से पूंजी जुटाते हैं, जो कि फाइनैंसिंग का उनका प्राथमिक काम नहीं है। यह स्थिति अक्सर हिट पर आधारित दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है, जिससे व्यवसाय में अस्थिरता बनी रहती है।

जेप्टो का महा-दांव: स्टैनफोर्ड ड्रापआउट्स से क्विक-कामर्स किंग तक का सफर

बेंगलुरु। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के दो युवा ड्रापआउट्स द्वारा स्थापित, क्विक-कामर्स दिग्गज जेप्टो, लगभग 8,010 करोड़ रुपये के नए शेयरों के साथ देश के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास हाल ही में जमा किए गए मसौदा दस्तावेजों में एक वेयरहाउस-सह-प्रयोगशाला की झलक मिलती है, जहां अत्याधुनिक तकनीक भारत के तेज-तर्रार डिलीवरी माडल के भविष्य को आकार दे रही है। बेंगलुरु के बाहर स्थित, पांच फुटबाल मैदान के आकार का यह विशाल वेयरहाउस जेप्टो के संचालन का केंद्र है। यहां 23 वर्षीय सह-संस्थापक और अध्यक्ष (तकनीक और उत्पाद) कैवल्य वोहरा, बारकोड रीडर के साथ अरहर दाल के पैकेट स्कैन करते हुए दिखते हैं। उनके आसपास, रोबोट और इंसान सामंजस्य बिठाकर काम करते हैं – स्वचालित मशीनें आलू और प्याज की छंटाई करती हैं, जबकि आयातित उपकरण सेब के कुरकुरेपन और संतरों के चीनी अंश का परीक्षण करते हैं। पुट टु लाइट' स्टेशन पिकर्स को डिलीवरी ट्रकों तक आइटम ले जाने का निर्देश देते हैं, जो इस इकाई को एक लैब का रूप देते हैं जहां क्विक-कामर्स की गति निर्धारित होती है। वोहरा ने आदित पलिचा के साथ मिलकर जेप्टो की स्थापना तब की थी जब वे दोनों किशोर थे।

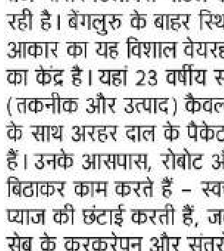

टाप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी

कच्चे तेल सस्ता होने से और एफआईआईएस की खरीदारी ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा

मुंबई

पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कारोबार के दिन कम होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार में कारात्मक माहौल बना रहा। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 88,678.1 करोड़ का उल्लेखनीय इजाफा देखा गया। इस बढ़त की अगुवाई निजी क्षेत्र के दिग्गज आईसआइस आईसीआईसीआई बैंक ने की, जो सबसे बड़े विजेता के रूप में उभरा। सप्ताह के दौरान, बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 297.57 अंक (0.38 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 42.9 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़ा, जिससे निवेशकों में भरोसा कायम रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति में सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा चुनिंदा खरीदारी जैसे कारकों ने बाजार के माहौल को सकारात्मक बनाए रखा।

एशियाई बाजारों में भी माइक्रोन की कमाई और क्वालकाम के पूर्वानुमान से एआई को लेकर आशावाद बढ़ने से तेजी देखी गई। लाभ कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक शीर्ष पर रहा, जिसका बाजार मूल्यांकन 29,588.75 करोड़ बढ़कर 9,95,610.74 करोड़ रुपए हो गया। इसके बाद, एचडीएफसी बैंक ने 24,718.3 करोड़ का इजाफा दर्ज किया, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर12,25,981.44 करोड़ पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 12,043.96 करोड़ बढ़कर 17,83,926.92 करोड़ हुआ, जबकि बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक आफ इंडिया ने भी क्रमश: 11,580.28 करोड़ और 9,322.93 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो को भी 1,423.88 करोड़ का लाभ हुआ। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए सप्ताह अच्छा नहीं रहा।

भारती एयरटेल को 35,615.21 करोड़ का सबसे बड़ा नुकसान झेलना पड़ा, जिससे उसका मूल्यांकन गिरकर 11,27,348.09 करोड़ हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम के मूल्यांकन में 21,188.74 करोड़ की गिरावट आई, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (और हिंदुस्तान यूनिलीवर (बाजार पूंजीकरण भी क्रमश: 11,143.71 करोड़ और 5,321.83 करोड़ रुपए कम हुआ।

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक आफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।टाप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी ।

ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर कर रही काम

नई दिल्ली

दिग्गज टेक कंपनी ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर काम कर रही है, जिसे स्प्रिंग 2027 में स्टैंडर्ड आईफोन 18 के साथ लान्च किया जा सकता है। ऐपल इस बार उन दो बड़ी कमियों को दूर कर सकता है, जिनकी शिकायत पहले आईफोन एयर यूजर्स ने सबसे ज्यादा की थी – कैमरा और बैटरी लाइफ। मौजूदा आईफोन एयर में सिर्फ एक रियर कैमरा मिलता है, जिससे कई यूजर्स को मल्टीपल कैमरा आप्शन की कमी महसूस हुई थी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐपल नए आईफोन एयर 2 में अल्ट्रावाइड कैमरा जोड़ सकता है, यानी फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है। इससे यूजर्स प्रो माडल खरीदे बिना भी आसानी से लैंडस्केप, ग्रुप फोटो और वाइड एंगल शाट्स ले सकेंगे। रिपोर्ट्स का दावा है कि ऐपल पहले ही डुअल कैमरा वाले कुछ प्रोटोटाइप की टेस्टिंग कर चुका है, हालांकि फोन का ओवरआल डिजाइन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। ऐपल इस बार बैटरी पर भी खास ध्यान दे सकता है। अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन की वजह से बड़े बैटरी पैक के लिए जगह कम होती है, जिससे पहले माडल की बैटरी को लेकर कुछ सवाल उठे थे। लीक्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 में या तो बड़ी बैटरी दी जा सकती है या फिर कंपनी बेहतर पावर एफिशिएंसी पर काम करेगी। इसके लिए फोन में नया ए20 चिपसेट मिलने की संभावना है, जिसे नए मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस पर बनाया जा सकता है, जिससे बैटरी बैकअप और पावर मैनेजमेंट पहले से बेहतर होने की उम्मीद है। अगर आपको मौजूदा आईफोन एयर का पतला और हल्का डिजाइन पसंद आया है, तो अच्छी खबर है क्योंकि रिपोर्ट्स बताती हैं कि ऐपल डिजाइन में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा। कंपनी मौजूदा डिजाइन को और बेहतर बनाने पर फोकस कर रही है और पहले माडल की कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी। आईफोन एयर सीरीज उन लोगों के लिए बनाई गई है जो प्रो माडल जितनी कीमत खर्च किए बिना हल्का और प्रीमियम आईफोन चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 इस बार ऐपल के पारंपरिक सितंबर लान्च इवेंट का हिस्सा नहीं होगा। कहा जा रहा है कि कंपनी आईफोन लान्च को दो चरणों में बांट सकती है। पहले चरण में आईफोन 18 प्रो, आईफोन 18 प्रो मैक्स और ऐपल का पहला फोल्डेबल आईफोन 2026 के आखिर में लान्च हो सकते हैं।

ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटने के बाद बिचौलिए भारत को दे रहे सस्ते तेल का आफर

नई दिल्लीप। अमेरिका से प्रतिबंधों में ढील के बाद कई बिचौलिए भारत को सस्तार तेल बेचने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटा दिया है, जिसके बाद तमाम बिचौलियों ने भारत को सस्ताा ईरानी तेल खरीदने का आफर दिया है। इस डील में भारत को सामान्यो क्रूड की कीमत के मुकाबले करीब 3 से 4 डालर प्रति बैरल की बचत हो सकती है। भारतीय रिफाइनरी सूत्रों का कहना है कि कई बिचौलिए ईरानी तेल छूट पर बेचने की पेशकश कर रहे हैं, क्योंकि तेहरान वाशिंगटन की अस्थायी प्रतिबंध छूट के बाद बिक्री तेज करना चाहता है। भारतीय रिफाइनरियों से संपर्क सीधे नेशनल ईरानी आयल कंपनी (एनआईओसी) और बिचौलियों के जरिए हुआ है, जिन्होंने कहा है कि उन्हें ईरानी राज्य उत्पादक से तेल मिला है। एक रिफाइनिंग सूत्र ने बताया कि एनआईओसी के अलावा कई व्यापारी हमसे ईरानी तेल बेचने के लिए संपर्क कर रहे हैं, लेकिन मेरी प्राथमिकता एनआईओसी को मौका देना है। सूत्रों का कहना है कि एनआईओसी भारतीय खरीदारों को बता रहा है कि ईरानी कच्चा तेल अन्यस क्षेत्रीय ग्रेड की तुलना में 3 से 4 डालर प्रति बैरल सस्ता होगा। रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी ज्यादातर सिंगापुर और दुबई की छोटी और मध्यम ट्रेडिंग कंपनियों से हैं।

ईवी बाज़ार में बदलाव: टाटा मोटर्स 2031 तक 14 नए माडल लाकर बढ़ाएगा अपनी पकड़

कंपनी का लक्ष्य 2030-31 तक ईवी पहुंच को 30 फीसदी से अधिक करना

नई दिल्ली

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार के अर्ली अडाप्टर्स चरण से आगे बढ़ने के साथ ही, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखने के लिए कमर कस रहा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक चार बिल्कुल नए ईवी उत्पाद और 10 से अधिक उन्नत संस्करण वाले माडल पेश करने की घोषणा की है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स भारत में इलेक्ट्रिक वाहन खंड में अपनी बाजार हिस्सेदारी को मजबूत करने की महत्वाकांक्षी योजना के साथ आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के समक्ष एक प्रस्तुति में, कंपनी ने बताया कि भारतीय ईवी बाजार अब अर्ली अडाप्टर्स से अर्ली मेजारिटी ग्राहकों की ओर बढ़ गया है। ये वे ग्राहक हैं जिन्हें किसी भी नई तकनीक को अपनाने से पहले सफल केस स्टडीज देखने की आवश्यकता होती है। इस बदलाव को भुनाने के लिए, टाटा मोटर्स का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030-31 तक अपने इलेक्ट्रिक वाहन खंड में 30 प्रतिशत से अधिक की बाजार पहुंच हासिल करना है। कंपनी ने कहा कि वह अर्ली और लेट मेजारिटी ग्राहकों के बीच ईवी को बढ़ावा देने के लिए अपने उत्पादों को लगातार बेहतर बनाएगी। वर्तमान में, अर्ली अडाप्टर्स की हिस्सेदारी 13.5 प्रतिशत है, जबकि अर्ली मेजारिटी और लेट मेजारिटी दोनों की हिस्सेदारी 34-34 प्रतिशत है, जो बाजार के बड़े हिस्से को दर्शाते हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, टाटा मोटर्स 2030-31 तक कुल 10 ईवी गाड़ियों का मजबूत पोर्टफोलियो तैयार करेगा। इसमें चार नए उत्पाद शामिल होंगे, जिनमें सिएरा.ईवी, इसके अविन्या कान्सेप्ट पर आधारित एक उत्पाद, और दो अन्य माडल शामिल हैं। वर्तमान में, कंपनी के पोर्टफोलियो में एक्सप्रेस-टी, कर्व.ईवी, हैरियर ईवी, नेक्सान ईवी, पंच ईवी और टियागो ईवी जैसे माडल शामिल हैं। तकनीकी मोर्चे पर भी कंपनी लगातार नवाचार कर रही है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स अपनी ईवी श्रृंखला की रेंज को दो से तीन गुना और तेज चार्जिंग क्षमता को तीन गुना बढ़ाने पर भी काम कर रही है। साथ ही, बैटरी की ऊर्जा गहनता को 20-23 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना है, जिससे ग्राहकों को बेहतर प्रदर्शन, लंबी रेंज और अधिक सुविधा मिल सके।

विदेशी बाजारों से घरेलू तेल-तिलहन में मामूली सुधार, किसानों को मिल रहा बेहतर दाम

अंतर्राष्ट्रीय मजबूती के बावजूद घरेलू मांग कमजोर, लेकिन सोयाबीन-सरसों किसानों को मिला बेहतर मूल्य

नई दिल्ली

बीते सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खाद्य तेलों की मजबूती का असर भारतीय तेल-तिलहन बाजारों पर भी देखा गया, जहाँ कीमतों में मामूली सुधार दर्ज हुआ। सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, सीपीओ, पामोलीन और बिनौला तेल के दाम बढ़ गए। हालाँकि, घरेलू हाजिर कारोबार में कमजोर मांग के चलते यह तेजी सीमित रही। बाजार सूत्रों ने बताया कि ऊंचे दामों के कारण सरसों की मांग सुस्त है। वहीं सोयाबीन किसानों को पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से बेहतर दाम मिले हैं, जिससे वे ऊंची कीमतों पर ही उपज बेच रहे हैं, परिणामस्वरूप सोयाबीन तिलहन में मजबूती आई। मूंगफली तेल के थोक दाम सस्ते होने से इसकी मांग बढ़ी। बिनौला की आपूर्ति बेहद कम होने से इसके तेल में भी सुधार आया, जिसकी कमी पामोलीन पूरी कर रहा है। हालांकि, आयातक अभी भी आयात लागत से नीचे भाव पर तेल बेचकर नुकसान उठा रहे हैं। इस बीच, कई वर्षों बाद सोयाबीन और सरसों के बेहतर दाम मिलने से किसानों का उत्साह बढ़ा है। यह स्थिति भविष्य में तेल-तिलहन के उत्पादन में वृद्धि कर सकती है, जिससे देश में खाद्य तेलों के दाम स्थिर होंगे, विदेशी मुद्रा की बचत होगी, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार बढ़ेंगे और आयातित तेलों पर भारत की निर्भरता भी कम हो सकेगी।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 7,575-7,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,575 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश: 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 2,575-2,675 रुपये और 2,575-2,720 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 100-100 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 7,100-7,150 रुपये और 6,950-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 25 रुपये के सुधार के साथ 15,475 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 25 रुपये के सुधार के साथ 15,425 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मांग रहने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 6,675-7,250 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 25 रुपये के सुधार के साथ 15,575 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल पांच रुपये के सुधार के साथ 2,485-2,785 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

2026 में टी20 रन बनाने में ईशान किशन सबसे आगे, टाप-10 में तीन भारतीय बल्लेबाज शामिल

नई दिल्ली

साल 2026 टी20 क्रिकेट के लिहाज से बल्लेबाजों के लिए बेहद यादगार साबित हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ विभिन्न घरेलू और फ्रेंचाइजी लीगों में कई बल्लेबाजों ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है।

इस साल अब तक सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 1135 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भी ईशान का बल्ला जमकर चला और उन्होंने 15 मैचों में 600 से अधिक रन बनाकर अपनी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। इस सूची में दूसरे स्थान पर आस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श हैं, जिन्होंने 1128 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिन एलन 1072 रन के साथ तीसरे, दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकेल्टन 1004 रन के साथ चौथे और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 991 रन बनाकर पांचवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के कुसल मेंडिस 958 रन के साथ छठे नंबर पर मौजूद हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 935 रन बनाकर सातवें स्थान पर हैं, जबकि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम 886 रन के साथ आठवें और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम 872 रन बनाकर नौवें स्थान पर हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन 849 रन के साथ दसवें पायदान पर हैं। इस तरह शीर्ष-10 बल्लेबाजों की सूची में भारत के तीन खिलाड़ियों ने जगह बनाई है। वहीं, युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी फिलहाल 15वें स्थान पर हैं। उन्होंने इस साल केवल आईपीएल में हिस्सा लेते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल रहे। सबसे कम उम्र में आरेंज कैप जीतने का रिकार्ड भी उनके नाम दर्ज है। अब आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 और इंग्लैंड दौरे की पांच मैचों की श्रृंखला में यदि उन्हें खेलने का मौका मिलता है, तो उनके पास इस सूची में तेजी से ऊपर पहुंचने का बेहतरीन अवसर होगा।

न्यूज ब्रीफ

स्टीव क्लार्क का स्काटलैंड पुरुष फुटबाल टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा

नई दिल्ली। स्काटलैंड की पुरुष राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच स्टीव क्लार्क ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया । स्काटिश फुटबाल एसोसिएशन ने यह जानकारी दी ।एसोसिएशन ने बयान में कहा कि स्काटलैंड के फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होने की पुष्टि के बाद देश के सबसे सफल राष्ट्रीय कोच ने अपने सात साल के कार्यकाल को समाप्त करने का फैसला किया है। स्टीव ने अपने कार्यकाल के दौरान स्काटलैंड को 28 वर्ष में पहली बार पुरुष फीफा विश्व कप में पहुंचाया। साथ ही लगातार दो बार यूईएफए यूरोपीय चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कराया। स्काटलैंड ने फीफा विश्व कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत हैती के खिलाफ 1-0 की जीत के साथ की थी। इसके बाद मोरक्को और ब्राजील से हार के कारण स्काटलैंड अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहा और टूर्नामेंट से बाहर हो गया। स्टीव क्लार्क ने अपने कार्यकाल के दौरान टीम की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस विदाई का सबसे भावुक पहलू मेरे खिलाड़ियों के लिए है, जिनके बिना 2019 से अब तक हमने जो भी यादें संजोई हैं, वे नहीं होतीं। वे हर प्रशंसा और सम्मान के पात्र हैं और उनका कोच कहलाना मेरे लिए सचमुच एक सम्मान की बात रही। उन्होंने कहा कि मुझे मौका देने के लिए धन्यवाद और मेरे उत्तराधिकारी को शुभकामनाएं।

एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में भारत ने जीते चार पदक

पणजी। मेजबान भारत ने पांचवीं एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। विभिन्न वर्गों में भारतीय खिलाड़ियों के लगातार अच्छे प्रदर्शन ने देश की बढ़ती ताकत को एक बार फिर साबित किया। भारतीय दल की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि सीनियर्स वर्ग में रही, जहां भारत-बी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने लीग चरण मे शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद सेमीफाइनल में जापान को बेहद रोमांचक मुकाबले में एक अंक के अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम को आस्ट्रेलिया के खिलाफ कड़ा संघर्ष करना पड़ा और उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा। सुकामल दास, हेमंत जालान, जितेंद्र सोलानी, अनिल पाध्ये, राजेश दलाल और राजू टोलानी से सुसज्जित भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष टीम स्पर्धा में भारत-ए टीम ने कांस्य पदक जीतकर देश को एक और सफलता दिलाई। वहीं मैचपाइंट फाइनल्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। महिला युगल वर्ग में सवलीन ढडानी और साधना गुप्ता ने रजत पदक हासिल किया, जबकि सीनियर्स युगल वर्ग में सुबीर मजूमदार और सुजीत कुमार भट्टाचार्य ने भी रजत पदक अपने नाम किया।

वैभव में नया सीखने की जबरदस्त चाहत, लगातार सवाल पूछता है : अभिषेक

बेलफास्ट। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 15 साल के उभरते

बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह नई चीजें सीखने को लेकर उत्साहित रहता है। वैभव ने पिछले कुछ समय के अंदर ही आईपीएल, अंडर 19 और भारत ए की ओर से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। आयरलैंड दौरे के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किये गये वैभव हो हालांकि पहले टी 20 में अवसर नहीं मिला पर कहा जा रहा है कि उन्हें दूसरे टी20 में अवसर मिलना तय है। वैभव को हालांकि पहले मैच में अंतिम ग्यारह में मौका नहीं मिला, लेकिन टीम की करारी हार के बाद अब उन्हें दूसरे और अंतिम टी20 मैच में डेब्यू कराने की मांग बेहद तेज हो गई है, आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के बाद अभिषेक ने वैभव को लेकर कई बातें कही हैं। अभिषेक ने कहा है कि उन्होंने ड्रेसिंग रूम में उन्होंने अपने व्यवहार से सबका दिल जीत लिया है! अभिषेक ने कहा, एक टीम के तौर पर, मुझे लगता है कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उसे सहज महसूस कराएं। वह बहुत छोटा है और मैंने जो महसूस किया, वह हर समय खेलने के लिए बहुत उत्सुक रहता है।

महिला टी20 विश्व कप 2028 : भारत समेत आठ टीमों ने सीधे बनाई जगह, मेजबान पाकिस्तान को भी मिला प्रवेश

नई दिल्ली

महिला टी20 विश्व कप 2028 के लिए भारत सहित आठ टीमों ने सीधे क्वालीफाई कर लिया है। श्रीलंका और स्काटलैंड के बीच खेले गए मुकाबले के बाद अगले विश्व कप में स्वत: प्रवेश पाने वाली टीमों की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई। वर्ष 2026 के महिला टी20 विश्व कप में 12 टीमों को दो समूहों में बांटा गया था। दोनों समूहों की शीर्ष चार-चार टीमों ने अपने प्रदर्शन के दम पर 2028 में पाकिस्तान में आयोजित होने वाले अगले विश्व कप के लिए सीधा टिकट हासिल कर लिया है।

ग्रुप-ए से भारत, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष चार में अपनी जगह सुनिश्चित की। वहीं ग्रुप-बी से इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ने अगले विश्व कप में सीधा प्रवेश हासिल किया। इन आठ टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार अच्छा खेल दिखाते हुए अपनी दावेदारी मजबूत साबित की। दूसरी ओर पाकिस्तान का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। टीम अपने समूह में लगातार चार मुकाबले हार गई और पांचवें स्थान पर रही। हालांकि, वर्ष 2028 के महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी पाकिस्तान के पास होने के कारण उसे मेजबान देश के विशेष अधिकार के तहत सीधे मुख्य प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिलेगा। इस वजह से पाकिस्तान को क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की आवश्यकता नहीं होगी।

अब सभी की नजरें विश्व कप की दसवीं टीम पर टिकी हैं। इसका फैसला 6 जुलाई 2026 की कट-आफ तिथि पर जारी होने वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की महिला टी20 रैंकिंग के आधार पर किया जाएगा। मौजूदा रैंकिंग के अनुसार आयरलैंड इस स्थान का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। यदि रैंकिंग में कोई बड़ा बदलाव नहीं होता है तो आयरलैंड भी सीधे विश्व कप में जगह बना सकता है। इसके अलावा शेष टीमों को क्वालीफायर प्रतियोगिता के जरिए मुख्य टूर्नामेंट में पहुंचने के लिए संघर्ष करना होगा।

स्काटलैंड के पास भी सीधे क्वालीफाई करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन वह इसका लाभ नहीं उठा सका। श्रीलंका के खिलाफ खेले गए अहम मुकाबले में स्काटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया और लंबे समय तक मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। एक समय श्रीलंका के छह विकेट केवल 118 रन पर गिर चुके थे और स्काटलैंड जीत की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था। हालांकि अंतिम तीन ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया और तीन विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस रोमांचक जीत के साथ श्रीलंका ने अगले विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि स्काटलैंड का सीधा क्वालीफाई करने का सपना टूट गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने हाल ही में महिला क्रिकेट के भविष्य को ध्यान में रखते हुए आगामी वैश्विक प्रतियोगिताओं की क्वालीफिकेशन प्रणाली को और स्पष्ट किया है। इसके तहत महिला टी20 विश्व कप 2028 के साथ-साथ अगले वर्ष श्रीलंका में आयोजित होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्राफी की रूपरेखा भी तय कर दी गई है। इससे महिला क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के साथ-साथ उभरती टीमों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर मिलेगा।

मेसी लगातार सात विश्वकप मैचों में गोल करने वाले दिग्गजों में शामिल हुए

अर्लिंगटन

अर्जेंटीना ने जार्डन को 3-1 से हराया

अर्जेंटीना के कप्तान और स्टार फुटबाल लियोनेल मेसी का फीफा विश्वकप 2026 फुटबाल में शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। मेसी के जियोवानी लो सेल्लो व लोटारो मार्टिनेज के दागे गोलों से अर्जेंटीना ने जार्डन को 3-1 से हराकर ग्रुप चरण में लगातार अपना तीसरा मैच जीता। मेसी ने स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में गोल किया। जिससे वे लगातार सात विश्व कप मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मेसी ने अपने करियर में एक और रिकार्ड बनाया। विश्व कप में लगातार सात मैचों में गोल करने वाले दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में वह शामिल हो गये हैं। इससे वह फ्रांस के जस्ट फान्टेन और ब्राजील के महान जैरजिन्हो जैसे खिलाड़ियों से आगे निकल गये हैं। उन्होंने लगातार छह विश्व कप मैचों में गोल किए थे। इस स्टार स्ट्राइकर ने टूर्नामेंट में अपना 19वां गोल भी किया, जिससे विश्व कप में सबसे अधिक गोल के अपने ही रिकार्ड को और बेहतर बना दिया।

ग्रुप जे में पहले ही शीर्ष स्थान पर पहुंची अर्जेंटीना ने इस मैच में अपने कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया था, जिनमें मेसी भी शामिल थे। हालांकि, मैच में लो सेल्लो ने 19वें मिनट में एक शानदार फ्री किक पर गोल दागकर अर्जेंटीना को शुरुआती बढ़त दिलाई। लो सेल्लो मौजूदा विश्व कप में मेसी के अलावा गोल करने वाले अर्जेंटीना के पहले खिलाड़ी भी बने।

इसके बाद लोटारो मार्टिनेज ने 31वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। जार्डन की ओर से मूसा अल्तमारी ने 55वें मिनट में एकमात्र गोल किया। अपने 39वें जन्मदिन के ठीक तीन दिन बाद मेसी ने 60वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर प्रवेश किया। मैदान में उतरने के बाद उन्हें गोल करने में ज्यादा देर नहीं लगी। 80वें मिनट में पेनल्टी बाक्स के ठीक बाहर हुए फाउल के बाद मिली फ्री किक पर उन्होंने अपने ट्रेडमार्क अंदाज में गोल दागकर अर्जेंटीना की जीत सुनिश्चित की। टूर्नामेंट में छह गोल के साथ मेसी शीर्ष पर चल रहे हैं।

मांग में सिंदूर लगाए हुए हार्दिक के साथ नजर आयी महिका

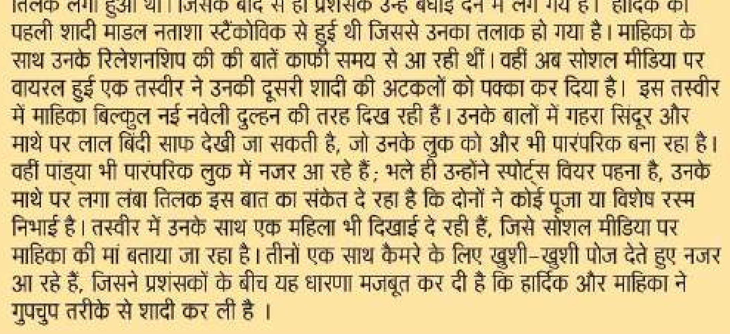

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी आलराउंडर हार्दिक पाड्या के दूसरे शादी करने की चर्चाएं हैं। इसका अंदाजा सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक तस्वीर से लगाया जा सकता है। इसमें माडल माहिका शर्मा मांग में सिंदूर लगाए हुए नजर आयी जबकि हार्दिक के माथे पर तिलक लगा हुआ था। जिसके बाद से ही प्रशंसक उन्हें बधाई देने में लग गये हैं। हार्दिक की पहली शादी माडल नताशा स्टैंकोविक से हुई थी जिससे उनका तलाक हो गया है। माहिका के साथ उनके रिलेशनशिप की की बातें काफी समय से आ रही थीं। वहीं अब सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक तस्वीर ने उनकी दूसरी शादी की अटकलों को पक्का कर दिया है। इस तस्वीर मे माहिका बिल्कुल नई नवेली दुल्हन की तरह दिख रही हैं। उनके बालों में गहरा सिंदूर और माथे पर लाल बिंदी साफ देखी जा सकती है, जो उनके लुक को और भी पारंपरिक बना रहा है। वहीं पाड्या भी पारंपरिक लुक में नजर आ रहे हैं; भले ही उन्होंने स्पोर्ट्स वियर पहना है, उनके माथे पर लगा लंबा तिलक इस बात का संकेत दे रहा है कि दोनों ने कोई पूजा या विशेष रस्म निभाई है। तस्वीर में उनके साथ एक महिला भी दिखाई दे रही हैं, जिसे सोशल मीडिया पर माहिका की मां बताया जा रहा है। तीनों एक साथ कैमरे के लिए खुशी-खुशी पोज देते हुए नजर आ रहे हैं, जिसने प्रशंसकों के बीच यह धारणा मजबूत कर दी है कि हार्दिक और माहिका ने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है ।

फीफा विश्व कप 2026 : कोलंबिया ने पुर्तगाल को ड्रा पर रोककर ग्रुप में नंबर एक स्थान हासिल किया

मियामी

कोलंबियाई टीम ने फीफा विश्व कप 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में पुर्तगाल को गोलरहित ड्रा पर रोककर ग्रुप-के में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। है। इस मैच में भी स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का जादू भी नहीं चला। रोनाल्डो शुरुआत मैच में भी विफल रहे थे।पुर्तगाल ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा। दोनों टीमों ने पहले ही नाकआउट दौर के लिए क्वालीफाई कर लिए था।

रोनाल्डो के लगातार विफल होने से पुर्तगाल की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इस मैच में रोनाल्डो ने कुल तीन शाट लगाये, जिनमें से केवल एक लक्ष पर लगा। जिसे कोलंबिया के गोलकीपर ने आसानी से रोक लिया। कोलंबियाई टीम ने इस मैच में पुर्तगाली की टी का डटकर मुकाबला करते हुए उसके आक्रमण को विफल कर दिया।

शुरुआत से ही दोनो ही टीमों ने एक दूसरे पर हमले किये। दोनों टीमों ने लगातार एक-दूसरे पर आक्रमण किए और कई बार गोल के बेहद करीब पहुंचीं। पुर्तगाल के स्टार मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडीस ने पहले हाफ में एक बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन कोलंबिया के अनुभवी गोलकीपर कैमिलो वर्गास ने इसे विफल कर दिया।पुर्तगाल के गोलकीपर डियोगो कोस्टा ने भी जबरदस्त प्रदर्शन किया और कुल छह शानदार बचाव करते हुए कोलंबिया के कई हमलों को असफल कर दिया। ग्रुप में शीर्ष पर रही कोलंबिया का सामना राउंड आफ 32 में घाना से होगा। वहीं, पुर्तगाल को आने वाले मैच में प्रतिद्वंद्वी क्रोएशिया का सामना करना होगा, जिसने घाना को 2-1 से हराकर अंतिम 32 में अपनी जगह बनाई थी।

वैभव सूर्यवंशी की बेखौफ बल्लेबाजी ने संगकारा को भी किया था हैरान

बताया 14 साल के खिलाड़ी का यादगार किस्सा

नई दिल्ली

आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। कप्तान श्रेयस अय्यर और टीम प्रबंधन के संकेतों से भी फिलहाल यही माना जा रहा है कि उन्हें शुरुआती मुकाबलों में अवसर मिलने की संभावना सीमित है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का इंतजार कर रहे इस युवा बल्लेबाज को लेकर क्रिकेट जगत में चर्चा लगातार बनी हुई है। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए वैभव ने 776 रन बनाए और सबसे कम उम्र में आरेंज कैप जीतने का इतिहास रच दिया था। इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें भारतीय टी20 टीम में जगह मिली और लगातार तीन श्रृंखलाओं के लिए टीम में चुना गया। इस बीच राजस्थान रायल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा किया, जिसने इस युवा बल्लेबाज की निडर मानसिकता और असाधारण प्रतिभा को उजागर कर दिया। उन्होंने बताया कि पहली बार वैभव को देखकर ही उन्हें एहसास हो गया था कि यह खिलाड़ी सामान्य प्रतिभा नहीं रखता।

कुमार संगकारा के अनुसार, वह दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर के लिए गुवाहाटी पहुंचे थे, जहां एक छोटे नेट सत्र में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा नई गेंद से अभ्यास करा रहे थे। उनकी रफ्तार और स्विंग को देखते हुए कोई भी बल्लेबाज सामने आने के लिए तैयार नहीं था। तभी 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने खुद आगे बढ़कर बल्लेबाजी करने की इच्छा जताई। संगकारा ने बताया कि जैसे ही वैभव ने बल्लेबाजी शुरू की, हर शाट के साथ बल्ले से निकलने वाली आवाज किसी गोली की तरह सुनाई दे रही थी। उन्होंने जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा जैसे अनुभवी तेज गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ अंदाज में आक्रामक शाट लगाए। एक समय ऐसा भी आया जब आर्चर खुद गेंदबाजी रोककर मुस्कुराने लगे, क्योंकि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था कि इतनी कम उम्र का बल्लेबाज उनकी तेज गेंदों को इतनी आसानी से खेल रहा है।

संगकारा ने आईपीएल 2026 का एक और रोचक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में राजस्थान रायल्स को 220 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करना था। मैच शुरू होने से पहले वैभव उनके पास आए, आंख मारते हुए बोले कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है और टीम मुकाबला जीत जाएगी। इसके बाद ड्रेसिंग रूम में उन्होंने अपने साथियों डोनोवन फरेरा और ल्हुआन-द्रे प्रिटोरियस से मजाकिया लेकिन आत्मविश्वास भरे अंदाज में कहा कि वह इस मैच में 13 छक्के लगाएंगे और उसके बाद बाकी काम दोनों संभाल लेंगे। हालांकि वैभव उस मुकाबले में 13 नहीं, बल्कि 10 छक्के ही लगा सके, लेकिन उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया। संगकारा ने बताया कि जब वैभव लगातार पांच-छह छक्के जड़ चुके थे, तब उनके साथी खिलाड़ी भी उनकी बात को गंभीरता से लेने लगे और छक्कों की गिनती करने लगे। यह घटना वैभव के आत्मविश्वास, निर्भीक सोच और बड़े मंच पर खेलने की मानसिकता को दर्शाती है। अब भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को इंतजार है कि यह युवा बल्लेबाज जल्द ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करे।

नवजात की साफ-सफाई का यूं रखें ध्यान, नहलाते समय न करें ये 5 गलतियां

साफ-सुथरे बच्चे किसे नहीं पसंद. अक्सर नवजात बच्चों को साफ करना मुश्किल काम हो जाता है. एक तो वे नाजुक इतने होते हैं ऊपर से बार-बार नेपी में ही सुसु करने से कई बार उनके पास नमी ज्यादा हो जाती है, जिससे एक अजीब तरह की गंध पैदा होती है. ऐसे में माता-पिता अपने नवजात को नहला कर उसकी साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि नन्हें बच्चों को नहलाते समय किन बातों का रखना चाहिए ख्याल... माना की शिशु बहुत जल्दी गंदे हो जाते हैं, लेकिन कई बार सही तरीके से या सावधानियां न बरत कर उन्हें नहलाने पर यह और बुरा साबित होता है.

चलिए एक नजर उन बातों पर जो एक नन्हें शिशु को नहलाते हुए आपको रखनी चाहिए ध्यान-

स्टंप से न करें छेड़छाड़

बच्चे के जन्म के बाद उसकी नाभी से जुड़ी प्लेसेंटा की कोड को काट कर अलग किया जाता है. इसके बाद बच्चे की नाभि के पास बचे कोड के भाग को स्पंट लगा कर खून के बहाव का रोका जाता है. जैसे जैसे बच्चा बड़ा होता है यह स्टंप सूख कर खुद ही गिर जाता है. लेकिन नवजात को नहलाते समय इसका ध्यान रखना बहुत जरूरी है. उसे ज्यादा न छेड़ें और खुद से हटाने की कोशिश तो बिलकुल भी न करें. ताजा स्टंप पर पानी ड़ालने से भी बचना चाहिए. उसके आसपास के भाग को कॉटन से सावधानी से साफ करें.

वर्निक्स है जरूरी

जब बच्चा जन्म लेता है, तो उसकी त्वचा पर एक चिकना और सफेद पदार्थ होता है. इसे वर्निक्स कहते हैं. यह आपके बच्चे की त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है. वर्निक्स को बच्चे के जन्म के कम से कम छह घंटे बाद तक उसके शरीर पर रखें. वर्निक्स जन्म के बाद बच्चे की त्वचा के लिए प्राकृतिक कोट का काम करता है.

बहुत गर्म पानी से करें परहेज

क्योंकि नवजात बच्चे की त्वचा बहुत सेंसिटिव होती है, इसलिए उसे बहुत गर्म पानी से न नहलाएं. इससे बच्चे की त्वचा पर रैशेस हो सकते हैं. बच्चे को नहलाने से पहले पानी को अपने हाथ पर ड़ालकर देख लें कि वह ज्यादा गर्म तो नहीं है. उसके बाद ही बच्चे को नहलाएं.

उत्पादों का सही इस्तेमाल

हर माता पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा अच्छा दिखे. कई बार इसलिए ही वे शिशु उत्पादों का अधिक इस्तेमाल भी कर लेते हैं. लेकिन इस आदत से बचने की जरूरत है. हालांकि कुछ चीजों का इस्तेमाल तो जरूरी होता है, लेकिन कई चीजें हम बस यूं ही ले लेते हैं. बच्चे की त्वचा बहुत कोमल होती है, उस पर अधिक उत्पादों का इस्तेमाल करने से उसे नुकसान पहुंच सकता है.

बार-बार नहलाना

माना कि आप अपने बच्चे को अच्छी आदतें ड़ालना चाहते हैं और इन्हीं आदतों में से एक ही बच्चे को रोज नहाने की आदत हो. लेकिन यह आदत ड़ालने के लिए अभी आपको पास बहुत समय है. नवजात को रोज-रोज नहलाना जरूरी नहीं. आप उन्हें साफ करने के लिए बेबी वाइप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं. ज्यादा बार या बार-बार नहलाने से बच्चे की त्वचा पर मौजूद कोट को नुकसान पहुंच सकता है.

ताकि आप दिखें खूबसूरत, यूं मेकअप का असर रहेगा देर तक...

मेकअप में फाउंडेशन का इस्तेमाल आपको अच्छा या बुरा दोनों दिखा सकता है. यह आपके प्रयोग के तरीके पर निर्भर करता है. फाउंडेशन लगाने से पूर्व प्राइमर का प्रयोग करें और फाउंडेशन को हल्के पाउडर की मदद से सेट करें. फाउंडेशन लगाने के कुछ सुझावों पर एक नजर डालें

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व फेसवॉश से चेहरा और हाथ अच्छी तरह धुलें. तैलीय त्वचा वाले चाय पत्ती के तेल, नीम के गुणों और सैलीसिलिक एसिड वाले फेसवॉश का इस्तेमाल करें, ताकि त्वचा शुष्क हुए बिना अच्छी तरह साफ हो जाए.

» उंगलियों की मदद से फाउंडेशन न लगाएं. फाउंडेशन ब्रश अपनाएं. यह आपकी त्वचा को कीटाणु मुक्त रखने में मददगार है.

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व प्राइमर का प्रयोग करें. ऐसा करने से फाउंडेशन देर तक टिका रहेगा. प्राइमर चेहरे को केमिकल के संपर्क में आने से बचाता है और इससे आपका चेहरा स्वस्थ दिखता है.

» फाउंडेशन लगाने से पूर्व मॉश्चराइजर , सनस्क्रीन या प्राइमर लगाएं और इसे दो मिनट के लिए सेट होने के लिए छोड़ दें. अगर आपको लगता है कि ऐसा करने से आपकी त्वचा तैलीय लग रही है, तो मुलायम टिश्यू से चेहरा पोछ लें.

» उसके बाद गाल, माथे, ठुड्डी और नाक के ऊपर फाउंडेशन की डॉट लगाएं. पूरे चेहरे पर फाउंडेशन न लगाएं. याद रहे फाउंडेशन लगाने का उद्देश्य चेहरे को ढंकना नहीं, बल्कि चेहरे के कम उजले हिस्से को निखारना है.

» अब चेहरे पर लगाई गई फाउंडेशन की डॉट को ब्रश की मदद से अच्छे से फैला लें.

» फाउंडेशन को हल्के पाउडर से सेट करें. ऐसा करने से आपका लुक नेचुरल लगेगा. पूरे चेहरे पर पाउडर लगाने की जरूरत नहीं है.

आंखों को बनाएँ स्मोकी ताकि सभी आंखें आप पर ठहर जाएँ

चेहरे की खूबसूरती में सबसे बड़ा योगदान होता है आंखों का। बहुत से गीतकारों और शायरों ने भी आंखों की खूबसूरती के लिए बहुत से गीत व शायरी लिखी हैं। हर महिला चाहती है कि उसकी आंखें हमेशा आकर्षक व मनमोहक लगें और इसके लिए वह मेकअप का सहारा लेती हैं। आजकल तो स्मोकी आईज का बेहद ही चलन है। आपकी आंखें चाहें किसी भी प्रकार की हों, स्मोकी आईज मेकअप बेहद ही खूबसूरत व अटैक्टिव लगता है। स्मोकी आईज मेकअप किसी भी पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट है। यह स्मोकी आईज मेकअप आपको एकदम स्टाइलिश दिवा का लुक देती है। इस मेकअप की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि यह इंडियन ड्रेसेज से लेकर वेस्टर्न सभी पर अच्छी लगती है।

करें एक्सपेरिमेंट

वैसे तो स्मोकी आई मेकअप करने का अपना ही एक तरीका होता है, लेकिन अगर आप चाहें तो इस एक्सपेरिमेंटल युग में स्मोकी आई मेकअप में कुछ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ समय पहले तक जहां स्मोकी आईज मेकअप के लिए सिर्फ ब्लैक या ग्रे कलर के आईशेडोज को ही तवज्जो दी जाती थी, वहीं अब कलर्स के साथ एक्सपेरिमेंट किया जाने लगा है। आजकल वर्ल्डवाइड ब्लैक व ग्रे के अतिरिक्त पर्पल, ब्लू व डार्क ब्राउन कलर्स का इस्तेमाल भी काफी बड़ी रेंज में किया जाने लगा है। आप दो शेड्स के कलर्स के आईशैडो भी यूज करके स्मोकी लुक क्रिएट कर सकती हैं। लेकिन कलर्स का इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें कि वह मैट फिनिश ही हो। इस प्रकार के कलर आपको एक अलग लुक ही प्रदान करते हैं।

स्किन टोन पर लगे सही

जब भी बात मेकअप ही होती है तो आपको कोई भी लुक, कलर या एसेसरीज का इस्तेमाल करते समय अपने चेहरे व स्किन टोन का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है। कहते हैं कि हर प्रकार की महिला पर एक-सा मेकअप अच्छा नहीं लगता। ठीक इसी प्रकार, ऐसा जरूरी नहीं है कि स्मोकी आईज मेकअप करते समय दो महिलाओं पर एक ही शेड्स फबेंगे। यदि आपका रंग थोड़ा गेंहूआ या सांवला है तो बेहतर होगा कि आप ब्लैक या ब्लू कलर से दूरी बना कर रखें। इस स्किन टोन की महिलाओं पर ब्राउन कलर अधिक अच्छा लगता है। वहीं जिन महिलाओं का रंग गोरा है, वह किसी भी शेड्स का चयन कर सकती हैं।

फिनिशिंग है मस्ट

स्मोकी आईज मेकअप करते समय जितना ध्यान कलर्स का रखना होता है, उतना ही फिनिशिंग भी जरूरी है। स्मोकी आईज मेकअप करने का मतलब यह है कि आपके फेस का सेंटर ऑफ अट्रैक्शन आपकी आंखें ही हैं। ऐसे में उसे सही प्रकार की फिनिशिंग देना बेहद आवश्यक है। इसके लिए आप आईलाइनर सहित काजल व मस्कारा का सहारा ले सकती हैं। यदि आपने मेकअप करते समय मस्कारा अप्लाई नहीं किया तो आपकी आंखों का मेकअप अधूरा ही रह जाएगा और आप मनचाहा परिणाम प्राप्त नहीं कर पाएंगी।

फेस मेकअप भी परफेक्ट

कोई भी मेकअप करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप अपने लिप्स या आंखों में से किसी एक पर ही फोकस रखें। मसलन, अगर आप ब्राइट लिपस्टिक यूज कर रही हैं तो आपका आईमेकअप लाइट होना चाहिए। वहीं अगर आप अपनी आंखों पर स्मोकी मेकअप अप्लाई कर रही हैं तो बेहतर होगा कि आप अपने फेस का बाकी मेकअप न्यूड ही रखें। फिर चाहे बात फाउंडेशन की हो या ब्लशर की, इन्हें बहुत हल्का ही इस्तेमाल करें। वहीं यदि आपके लिप्स यदि नेचुरली पिंक हैं तो आपके लिए सिर्फ ग्लॉस लगाना ही पर्याप्त रहेगा। अगर आप फिर भी लिपस्टिक इस्तेमाल करना चाहती हैं तो किसी भी लाइट कलर की मैट फिनिश लिपस्टिक का ही चयन करें। आईज व लिप्स दोनों पर डार्क कलर्स अप्लाई करने से चेहरा खूबसूरत दिखने की बजाय अजीब-सा लगने लगता है।

एलोवेरा के ये नुकसान जानकर हो जाएंगे हैरान

एलोवेरा का पौधा शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसका इस्तेमाल सेहत के साथ-साथ त्वचा को निखारने के लिए भी किया जाता है। एलोवेरा जैल से स्ट्रैच मार्क्स, रूखी त्वचा और स्किन की कई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा कई लोग स्वस्थ शरीर के लिए एलोवेरा जूस का भी इस्तेमाल करते हैं लेकिन इन सब फायदों के साथ एलोवेरा के कई नुकसान भी हैं जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे।

1. हार्ट प्रॉब्लम : एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने से शरीर में पोटेशियम की मात्रा घट जाती है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है और हार्ट अटैक आने का खतरा बन जाता है।

2. डायरिया : इसमें लैक्सेटिव एंथ्राक्विनोन जैसे तत्व मौजूद होते हैं जो पेट को नुकसान पहुंचाते है। एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने से डायरिया जैसी समस्या हो जाती है।

3. गर्भपात : गर्भवती महिलाओं के लिए एलोवेरा जूस काफी खतरनाक होता है। इसके सेवन से गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा जो महिलाएं स्तनपान करवाती हैं उन्हें भी एलोवेरा जूस का सेवन नहीं करना चाहिए।

4. दवाओं का असर : जो लोग किसी बीमारी की वजह से लंबे समय से दवाओं का सेवन करते हैं उन्हें भी इसका सेवन करने से बचना चाहिए क्योंकि एलोवेरा में मौजूद लैक्सेटिव गुण शरीर पर दवाओं का असर नहीं होने देते।

भोजन के साथ न पीएं पानी हो सकते है नुकसान

पानी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इससे कई रोग दूर होते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाना-खाने के बाद, बीच या पहले पानी पीने से पाचन प्रक्रिया पर बहुत बुरा असर पड़ता है। आइए जानते हैं कि इस तरह पानी पीने के क्या नुकसान हो सकते हैं। खाना खाने के 1 घंटे बाद ही पानी पीएं। आइए जाने इसके नुकसान।

न पीएं खाने के बीच पानी

खाने के बीच में पानी पीने से भोजन पच नहीं पाता और सीने में जलन होने लगती है।

इन बातों का रखें ध्यान

1. भोजन को अच्छे से चबा कर खाएं। चबा कर खाने से खाना पच जाता है और पानी पीने की जरुरत भी नहीं रहती।

2. भोजन करते समय अगर खांसी आए तो पानी की जगह दूध या लस्सी का सेवन करें।

3. अगर आप कुछ तीखा या चटपटा खा रहे हैं तो प्यास लगने पर गिलास भर कर पानी न पीएं। सिर्फ 2 घूट ही पीएं।

4. खाने के 1 घंटे बाद गर्म पानी पीने से पाचन शक्ति ठीक रहती है और खाना पचने में मदद मिलती है।

5. खाना खाते समय कोल्ड ड्रिंक और जूस का सेवन न करें।

6. अगर भोजन तीखा, मिर्च-मसालेदार, नमकीन और खट्टा है तो पानी जरुर पीएं। ऐसे में पानी पीने से शरीर को कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

100 बीमारियों की एक दवा है आंवला, आजमा कर देखिये

1. आंवले का सेवन वजन घटाने के लिए भी होता है। आंवला हमारे शरीर के फैट को बर्न करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

2. अगर आपको भूलने की आदत है तो जनाब देर किस बात की है... तुरंत बाजार जाएं और आंवला खरीदकर खाएं। याददाश्त बढ़ाने में आंवले का सेवन लाभदायक है। रोजाना आंवले का मुरब्बा खाने से दिमाग तेज होता है।

3. आंवले का पेस्ट चेहरे पर लगाने से त्वचा संबंधी कई समस्याओं से छुट्टी मिल सकती है। आंवला खाने से या चेहरे पर इसका पेस्ट लगाने से झुर्रियां नहीं आती, त्वचा साफ और निखरी रहती है। चेहरे के दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए आंवले का इस्तेमाल करें। रोजाना एक आंवला खाने से आपकी त्वचा जवां बनी रहेगी।

4. रुखे और बेजान बालों से छुटकारा पाने के लिए आंवला बेहतरीन उपाय है। आंवला बालों के लिए प्राकृतिक टॉनिक है, जो बालों का विकास करने के साथ-साथ उन्हें झड़ने से भी

रोकता है।

5. शुगर के मरीजों के लिए आंवले का जूस पीना लाभदायक होता है। आंवले का जूस पीने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। बता दें, आंवले का जूस लगातार पीने से मधुमेह की बीमारी का अंत संभव है।

6. पेट से जुड़ी समस्या जैसे कब्ज और एसिडिटी से छुटकारा पाने के लिए आंवले का सेवन करें।

7. आंवले का रस आंखों के लिए फायदेमंद है। आंवला आंखों से जुड़ी समस्याओं (मोतियाबिंद, कलर ब्लाइंडनेस, कम दिखना) से निजात दिलाने में सक्षम है।

8. अगर खुजली की समस्या से परेशान हैं तो आंवले के पाउडर को किसी भी तेल में मिलाकर खुजली वाली जगह पर मसाज करें।

9. आंवले में बैक्टीरिया और फंगस से लड़ने की क्षमता होती है। आंवला अल्सर, पेट में संक्रमण जैसी बीमारियों को खत्म करता है।

10. आंवले का जूस रोजाना पीने से कोलेस्ट्रोल लेवल कम करने में मदद मिलती है। आंवले में मौजूद एमिनो एसिड और एंटी ऑक्सीडेंट्स दिल के लिए फायदेमंद हैं।

11. महिलाओं में अक्सर वाइट डिस्चार्ज की समस्या देखी जाती है। ऐसे में आंवला पाउडर में शहद मिलाकर लगातार खाने से वाइट डिस्चार्ज की परेशानी से निजात पाया जा सकता है।

इन फेस पैक से पाएं गोरी और निखरी त्वचा

हर लड़की चाहती है कि वो खूबसूरत दिखे लेकिन तेज धूप के कारण चेहरे की रंगत काली पड़ जाती है। इससे बचने के लिए लड़कियां कई तरह के प्रॉडक्टस का इस्तेमाल करती है लेकिन इनमें कैमिकल्स होने क कारण कई बार चेहरे को फायदे की जगह नुकसान पहुंचता है। ऐसे में इन घरेलू फेस पैक के इस्तेमाल से चेहरे की रंगत को निखारा जा सकता है।

1. मिल्क पाउडर और नींबू : 1 चम्मच मिल्क पाउडर में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट के बाद पानी से धो लें।

2. ओटमील और दही : ओटमील को रातभर पानी में भिगो कर रख दें। सुबह इसको ब्लैंडर में पीस लें और फिर इसमें दही मिला कर पैक तैयार करें। इस पैक को चेहरे पर लगाएं और सूखने पर पानी से धो लें।

3. आलू: आलू के रस को चेहरे पर अच्छे से लगाएं। 20 मिनट बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

4. टमाटर और हल्दी : 1 चम्मच टमाटर के रस में आधा चम्मच नींबू का रस और एक चुटकी हल्दी को मिला कर पैक तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद चेहरे को पानी से धो लें।

5. बेसन : 1 चम्मच बेसन में 2 चम्मच दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर 20 मिनट तक लगाएं

6. पुदीना : पुदीने के पत्तों को पीस कर पेस्ट तैयार करें। सूखने पर चेहरे को अच्छे से धो लें। इससे त्वचा की टैनिंग से छुटकारा मिलेगा।

7. केला : केले को पीस कर उसमें 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच दही मिला कर पेस्ट तैयार करें।

रेसिपी

पनीर चीज टोस्ट

1 1/2 स्पून तेल,

1/2 स्पून जीरा,

90 ग्राम प्याज, 1 स्पून हरी मिर्च, 1 स्पून अदरक का पेस्ट, 90 ग्राम टमाटर, 1/4 स्पून हल्दी,1/2 स्पून नमक,

1/2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टीस्पून गरम मसाला, 170 ग्राम पनीर, 1/2 टीस्पून मेंथी,

1 1/2 टेबलस्पून धनिया, ब्रेड स्लाइस, मोत्ज़ारेला पनीर, रेड चिली फ्लेक्स

विधि

एक पैन में तेल गर्म करके जीरा और प्याज डालें और अच्छे से भूनें। अब इसमें हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट डालकर 4-5 मिनट के लिए भूनें। फिर इसमें टमाटर, हल्दी, नमक, गरम मसाला और लाल मिर्च डालकर मिलाएं । इसके बाद इसमें पनीर, मेंथी और धनिया डालकर भूनें। अब एक ब्रेड स्लाइस लें और उसपर पनीर की भुर्जी, मोत्ज़ारेला पनीर और रेड चिली फ्लेक्स डालें। ओवन को 330°F/170°C के तापमान पर प्रीहीट करके ब्रेड स्लाइस को 7-10 मिनट के लिए बेक करें। पनीर चीज टोस्ट तैयार है, इन्हें सर्व करें।

पापड़ पनीर फिटर्स

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन,

1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा,

3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, तलने के लिए- तेल , परोसने के लिए: टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी

(2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**